▪ आश्विन शुक्ल - 5 ▪ संवत 2082 ▪ वर्ष - 21 ▪ अंक - 64 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » शुक्रवार » 26-09-2025 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 महाराष्ट्र सरकार हिंदू वोटों के समर्थन से चुनी गई : नितेश राणे

6 प्रतिभा पलायन को रोकने का बड़ा मौका

7 रणदीप हुड्डा और लिन लैशराम नवरात्रि के रंग में रंग

फर्स्ट टेक

आयकर विभाग ने ऑडिट रिपोर्ट जमा करने की समय सीमा 31 अक्टूबर तक बढ़ाई

नई दिल्ली/भाषा। आयकर विभाग ने बृहस्पतिवार को वित्त वर्ष 2024-25 के लिए कर ऑडिट रिपोर्ट दाखिल करने की अंतिम तिथि एक महीना बढ़ाकर 31 अक्टूबर कर दी। बड़ी कंपनियों, ट्रस्ट और व्यापारियों को अपना वार्षिक ऑडिट जमा करने के लिए पहले 30 सितंबर तक की समय सीमा रखी गई थी। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने एक बयान में कहा कि आयकर रिटर्न का ई-फाइलिंग पोर्टल सुचारू रूप से काम कर रहा है और 23 सितंबर तक 7.57 करोड़ से अधिक आयकर रिटर्न दाखिल किए जा चुके हैं। सीबीडीटी के मुताबिक, 24 सितंबर तक करीब 4.02 लाख कर ऑडिट रिपोर्ट अपलोड की जा चुकी हैं। इनमें से 60,000 से अधिक ऑडिट रिपोर्ट बुधवार को ही अपलोड की गईं। आयकर विभाग ने बताया कि चार्टर्ड अकाउंटेंट संगठनों समेत विभिन्न पेशेवर संस्थाओं ने समय पर ऑडिट रिपोर्ट पूरा करने में आ रही समस्याओं को रेखांकित किया था।

‘मेक इन इंडिया 2.0’ पहल उभरते क्षेत्रों पर केंद्रित होगी : अमित शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बृहस्पतिवार को कहा कि केंद्र सरकार की ‘मेक इन इंडिया 2.0’ पहल उन उभरते क्षेत्रों पर केंद्रित होगी जो अगले 25 साल में वैश्विक अर्थव्यवस्था का एक बड़ा हिस्सा होंगे। शाह ने यहां फाइनेंशियल एक्सप्रेस बेस्ट बैंक पुरस्कार समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि वैश्विक अर्थव्यवस्था के विश्लेषक अब भारत की विकास गाथा को स्वीकार कर रहे हैं।

शाह ने कहा, ‘‘प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भ्रष्टाचार और पारदर्शिता की कमी से ग्रस्त रहे बैंकिंग क्षेत्र में सुधार शुरू किए। पिछले 10 वर्षों में सबसे गरीब लोगों को बैंकों तक पहुंच प्रदान करने के लिए कुल 53 करोड़ बैंक खाते खोले गए हैं।’’

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि मोदी सरकार गैर-निष्पादित परिसंपत्तियों (एनपीए) से संबंधित आंकड़ों में पारदर्शिता लेकर आई है और सरकार ने बैंकों में 3.10 लाख करोड़ रुपए की पूंजी डाली है। उन्होंने कहा, ‘‘मेक इन इंडिया 2.0 पहल उन उभरते क्षेत्रों पर केंद्रित होगी जो अगले 25 वर्षों में वैश्विक अर्थव्यवस्था का एक बड़ा हिस्सा होंगे।’’

आर्थिक मजबूती बढ़ने के साथ कर का बोझ और कम होगा : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ग्रेटर नोएडा (उप्र)/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को कहा कि देश की अर्थव्यवस्था के मजबूत होने के साथ ही जनता पर कर का बोझ कम होता जाएगा। उन्होंने जीएसटी में सुधार को एक सतत प्रक्रिया करार दिया।

प्रधानमंत्री ने ग्रेटर नोएडा के इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट में ‘उत्तर प्रदेश अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला’ (यूपीआईटीएस) का उद्घाटन करने के बाद वहां मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि जीएसटी में हाल के संरचनात्मक सुधार भारत की विकास गाथा को नई उड़ान देंगे और लोगों की बचत को बढ़ाएंगे।

मोदी ने कहा कि उनकी सरकार ने 2017 में माल एवं सेवा कर (जीएसटी) लागू करके अप्रत्यक्ष कर व्यवस्था में सुधार किए, जो अर्थव्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम था जिसके बाद इस साल सितंबर में और सुधार किए गए।

प्रधानमंत्री ने कहा, ‘‘ हम यहीं नहीं रुकेंगे... जैसे-जैसे अर्थव्यवस्था मजबूत होगी, कर का बोझ कम होता जाएगा... देशवासियों के आशीर्वाद से जीएसटी में सुधार जारी रहेगा।’’

मोदी ने 12 लाख रुपए सालाना तक की आय को कर मुक्त करने और जीएसटी 2.0 सुधार जैसे उनकी सरकार द्वारा उठाए गए कदमों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा, ‘‘ आज 12 लाख रुपए तक की आय को कर मुक्त करने और नए जीएसटी सुधार से ही इस साल देश के लोगों को ढाई लाख करोड़ रुपए की बचत होने जा रही है।’’

मोदी ने कहा कि देश एक जीवंत रक्षा क्षेत्र विकसित कर रहा है। एक ऐसा पारिस्थितिकी तंत्र बना रहा है जहां हर चीज पर ‘मेड इन इंडिया’ का चिह्न हो। उन्होंने कहा कि रूस के सहयोग से उत्तर प्रदेश में स्थापित एक कारखाने में जल्द ही एके-203 राइफल बनाने का काम शुरू होगा।

रूस के साथ अपनी ‘सदाबहार’ साझेदारी को और मजबूत कर रहा भारत

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एके-203 राइफलों एवं ब्रह्मोस मिसाइलों के निर्माण के लिये रूस के साथ सहयोग का जिक्र करते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि भारत रूस के साथ अपनी ‘सदाबहार’ साझेदारी को और मजबूत कर रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने यह टिप्पणी अमेरिका द्वारा भारतीय वस्तुओं पर 25 प्रतिशत शुल्क लगाने और रूसी तेल की खरीद जारी रखने पर अलग से 25 प्रतिशत जुर्माना लगाने के कुछ सप्ताह बाद की है। उन्होंने ग्रेटर नोएडा में आयोजित ‘उत्तर प्रदेश अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला’ (यूपीआईटीएस) के तीसरे संस्करण का उद्घाटन करने के बाद कहा कि रूस इस व्यापार मेले का साझेदार देश है। उन्होंने कहा, ‘‘इस बार व्यापार मेले का साझेदार देश रूस है। यानी इस शो में हम एक सदाबहार साझेदारी को और भी मजबूत कर रहे हैं।’’

भाजपा अध्यक्ष चुनने की अपनी प्रक्रिया है, सही समय पर फैसला लिया जाएगा : फडणवीस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पास पार्टी अध्यक्ष चुनने की अपनी एक प्रक्रिया है और सही समय पर इस पर फैसला लिया जाएगा। फडणवीस ‘इंडिया टुडे कॉन्क्लेव’ में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत की पिछले महीने भाजपा के नए अध्यक्ष के चयन और इस प्रक्रिया में संघ की भूमिका को लेकर की गई टिप्पणी से संबंधित एक सवाल का जवाब दे रहे थे।

भागवत ने पिछले महीने दिल्ली में संवाददाता सम्मेलन में कहा था, हम फैसला नहीं करते, अगर हम फैसला कर रहे होते, तो इसमें (भाजपा अध्यक्ष के चयन में) इतना समय नहीं लगता।

इस बारे में पूछे जाने पर, फडणवीस ने कहा कि भागवत की टिप्पणी बताती है कि पार्टी अध्यक्ष के बारे में फैसला भारतीय जनता पार्टी ही लेती है। मुख्यमंत्री ने कहा, पार्टी सही समय पर सही फैसला लेगी। मैं इसका जवाब देने के लिए पर्याप्त सक्षम नहीं हूं क्योंकि मैं उस समिति का हिस्सा नहीं हूं जो भाजपा अध्यक्ष के चुनाव पर फैसला लेती है।

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

हिन्दु स्थान

सारे हैं भारत माँ के सुत,
इस सकल राष्ट्र के अभिन्न अंग।
‘सब हैं हिन्दू’ हिंदुस्तानी,
जो हिंदुस्तां में रहे संग।
धरती का वाचक हिन्द शब्द,
चाहे इसके हों विविध रंग।
कथनी करनी हो एक अगर,
तो नहीं रंग में पड़े भंग।।

कर्नाटक उच्च न्यायालय का जाति आधारित सर्वेक्षण पर रोक लगाने से इनकार

बेंगलूरु/भाषा। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने बृहस्पतिवार को जाति-आधारित सर्वेक्षण के नाम से प्रचलित सामाजिक और शैक्षिक सर्वेक्षण पर रोक लगाने से इनकार कर दिया, लेकिन राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग को निर्देश दिया कि वह एकत्रित आंकड़ों की गोपनीयता बनाए रखने के साथ स्वैच्छिक भागीदारी सुनिश्चित करे। मुख्य न्यायाधीश विभु बाखरू और न्यायमूर्ति सी. एम. जोशी की खंडपीठ ने सर्वेक्षण की वैधता पर सवाल उठाने वाली कई याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए यह अंतरिम आदेश जारी किया।

सेना की जासूसी के आरोप में एक व्यक्ति गिरफ्तार

जयपुर/भाषा। राजस्थान के जैसलमेर जिले में सेना की जासूसी करने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। अधिकरियों के अनुसार राजस्थान की अपराध अन्वेषण शाखा (सीआईडी-इंटेलिजेंस) ने जैसलमेर से हनीफ खान को गिरफ्तार किया है जिसपर आरोप है कि वह पैसों के लालच में पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई को भारतीय सेना से जुड़ी गोपनीय सूचनाएं भेज रहा था।

भारतीय समुद्री क्षेत्र ने स्थिरता और दक्षता में नए मानक बनाए : सोनोवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। केंद्रीय मंत्री सर्वानंद सोनोवाल ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारत के समुद्री क्षेत्र ने वैश्विक विकास के अनुरूप स्थिरता और दक्षता में नए मानक स्थापित किए हैं। बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्री ने जवाहरलाल नेहरू बंदरगाह प्राधिकरण (जेएनपीए) के न्हावा शेवा वितरण टर्मिनल पर इलेक्ट्रिक भारी ट्रकों के पहले बेड़े को भी हरी झंडी दिखाई।

एक आधिकारिक बयान के मुताबिक, अब जेएनपीए के पास भारत के बंदरगाहों में सबसे बड़ा इलेक्ट्रिक ट्रक बेड़ा है, जो टिकाऊ लॉजिस्टिक क्षमता को बढ़ावा देता है। जेएनपीए का इरादा दिसंबर 2026 तक लगभग 600 भारी वाहनों के अपने बेड़े के 90 प्रतिशत ट्रकों को इलेक्ट्रिक रूप देने का है। सोनोवाल ने इस अवसर पर कहा, देश भर के बंदरगाह सौर एवं पवन ऊर्जा परियोजनाएं, एलएनजी और हाइड्रोजन ईंधन अवसंरचना और माल ढुलाई उपकरणों का विद्युतीकरण शुरू कर रहे हैं।

जेएनपीए के चेयरपर्सन उन्मेष शरद वाघ ने कहा, ‘‘भारत के सबसे बड़े कंटेनर बंदरगाह के संरक्षक के रूप में, यह हमारा दायित्व है कि हम ऐसे नवाचार को अपनाएं जो आर्थिक गतिशीलता को पारिस्थितिक ज़िम्मेदारी के साथ संतुलित करे।’’ उन्होंने कहा कि इलेक्ट्रिक ट्रकों का यह बेड़ा एक नए युग का अग्रदूत साबित होगा, जहां स्थिरता वृद्धि का एक सहायक उपकरण नहीं, बल्कि उसका आधार है।

97 तेजस विमान खरीदने के लिए हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड के साथ अनुबंध

नई दिल्ली/भाषा। रक्षा मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को भारतीय वायुसेना के वास्ते 97 तेजस लड़ाकू विमान खरीदने के लिए हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) के साथ 62,370 करोड़ रुपए के अनुबंध पर हस्ताक्षर किए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता वाली सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति (सीसीएस) द्वारा इस बड़ी खरीद को हरी झंडी दिए जाने के लगभग एक महीने बाद अनुबंध पर हस्ताक्षर किए गए हैं। एयरोस्पेस क्षेत्र की इस सरकारी दिग्गज कंपनी के साथ किया गया यह दूसरा ऐसा अनुबंध है। फरवरी 2021 में, रक्षा मंत्रालय ने भारतीय वायुसेना के लिए 83 तेजस एमके-1ए जेट विमानों की खरीद के लिए एचएएल के साथ 48,000 करोड़ रुपए का सौदा किया था।

रेल आधारित मोबाइल प्रणाली से अग्नि-प्राइम मिसाइल का सफल परीक्षण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत ने रेल आधारित मोबाइल प्रक्षेपण प्रणाली से 2,000 किलोमीटर की मारक क्षमता वाली अग्नि-प्राइम मिसाइल का सफलतापूर्वक परीक्षण किया है, जिससे देशभर में इस मिसाइल को तैनात करने की इसकी क्षमता प्रदर्शित हुई है। अगली पीढ़ी की मिसाइल के परीक्षण के एक दिन बाद रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बृहस्पतिवार को कहा कि इससे भारत उन चुनिंदा देशों के समूह में शामिल हो गया है जिनके पास रेल नेटवर्क से मिसाइल प्रक्षेपण करने की क्षमता है।

रक्षा मंत्रालय ने कहा कि रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने सामरिक बल कमान (एसएफसी) के सहयोग से बुधवार को मध्यम दूरी की अग्नि-प्राइम मिसाइल का ‘‘सफल’’ प्रक्षेपण किया।

इसने हथियार प्रणाली के प्रक्षेपण के स्थान का खुलासा नहीं किया है।

राहुल गांधी पर विदेशी संस्कृति का प्रभाव, चौराहे पर बहन को चूम लेते हैं : विजयवर्गीय

शाजापुर (मप्र)/भाषा। मध्यप्रदेश के नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने बृहस्पतिवार को लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर विदेशी संस्कृति का प्रभाव हावी होने का आरोप लगाते हुए कहा कि वह बीच सड़क पर अपनी बहन को चूम लेते हैं जबकि भारतीय संस्कृति में लोग अपनी बहन के घर का एक लोटा पानी तक नहीं पीते। विजयवर्गीय ने यहां भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सेवा पखवाड़े के अंतर्गत पार्टी के विचारक पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित एक संगोष्ठी को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने राहुल गांधी का नाम लिए बगैर कहा, ‘‘आज के हमारे प्रतिपक्ष के नेता ऐसे हैं, जो अपनी जवान बहन को बीच सड़क पर, चौराहे पर चुंबन कर लेते हैं।

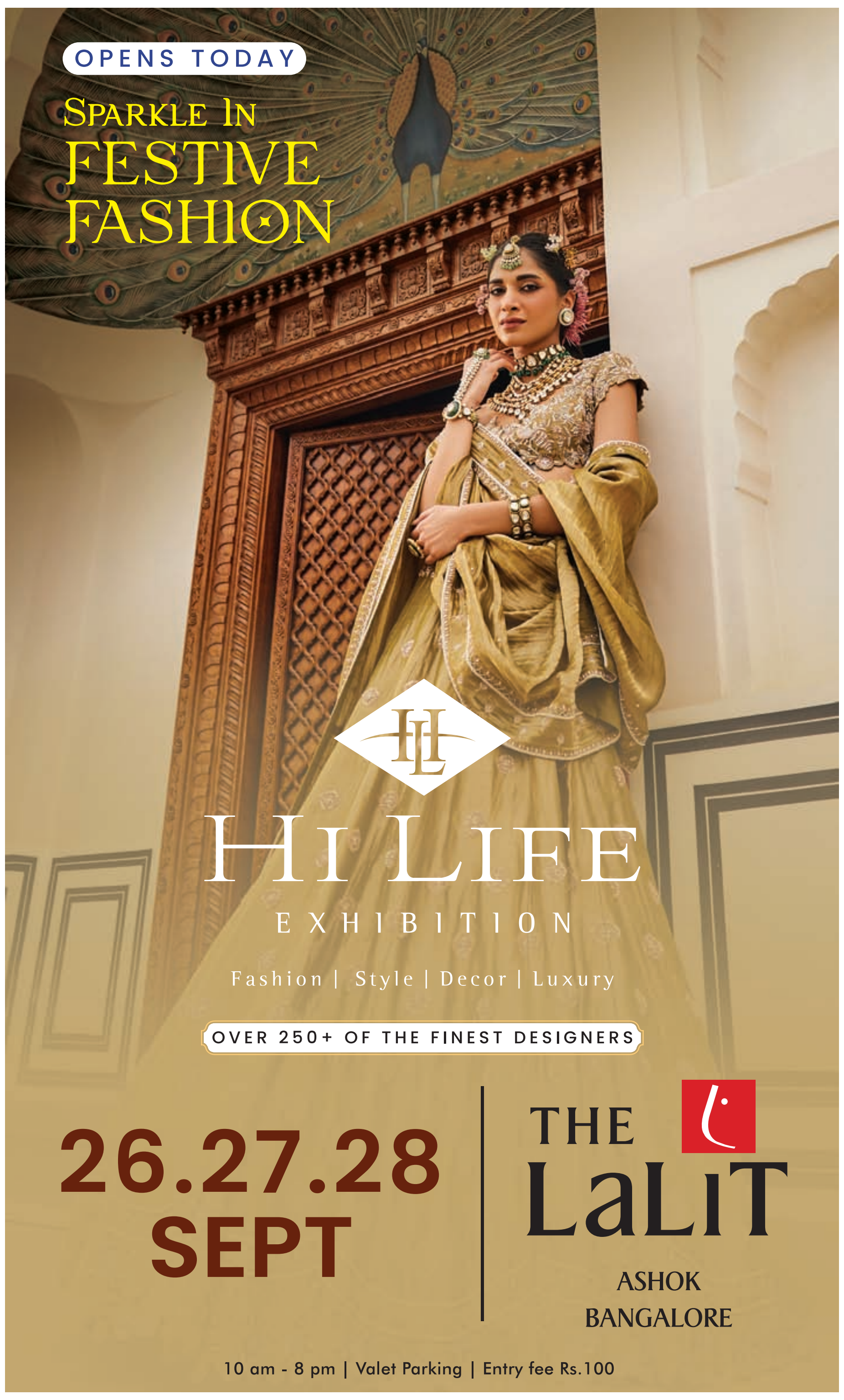

मुख्यमंत्री सैनी ने हरियाणा में दीन दयाल लाडो लक्ष्मी योजना की शुरुआत की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बृहस्पतिवार को औपचारिक रूप से दीन दयाल लाडो लक्ष्मी योजना की शुरुआत की। इस योजना के तहत राज्य की सभी पात्र महिला लाभार्थियों को हर महीने 2,100 रुपए की वित्तीय सहायता मिलेगी।

पंचकूला के ताऊ देवीलाल स्टेडियम में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में सैनी ने इस महत्वाकांक्षी योजना और मोबाइल ऐप की शुरुआत की। पात्र महिलाएं इस ऐप के माध्यम से योजना के लिए पंजीकरण करा सकेंगी।

इससे पहले हरियाणा मंत्रिमंडल की 28 अगस्त को हुई बैठक में इस योजना को 25 सितंबर से लागू करने का निर्णय लिया गया था और इसके बाद सरकार ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती (25 सितंबर) के अवसर पर इसके क्रियान्वयन के लिए अधिसूचना जारी की थी। राज्य की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार ने इस योजना के लिए मार्च में 5,000 करोड़ रुपए का बजटीय प्रावधान किया था। सैनी ने बताया कि पहले चरण में हरियाणा की लगभग 20 लाख महिलाओं को लाभ मिलेगा। यह योजना 23 से 60 वर्ष की आयु की विवाहित और अविवाहित महिलाओं के लिए है, जिनकी वार्षिक आय एक लाख रुपए तक है। लाभार्थियों को प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से सीधे उनके बैंक खातों में प्रति माह 2,100 रुपए प्राप्त होंगे।

एसएल बैरप्पा का स्मारक बनाया जाए : विजयेंद्र येडीयुरप्पा

बेंगलूरु। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक विजयेंद्र येडीयुरप्पा ने मुख्यमंत्री से वरिष्ठ पत्रकार और प्रख्यात उपन्यासकार डॉ. एसएल बैरप्पा का स्मारक बनवाने की अपील की है।

डॉ. एसएल बैरप्पा के पार्थिव शरीर पर श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद, उन्होंने मीडिया से बात की। लेखक और उपन्यासकार डॉ. एस.एल. बैरप्पा, जिन्होंने कन्नड़ साहित्य को वैश्विक पहचान दिलाई और जिन्हें पद्म भूषण, पद्म श्री और सरस्वती सम्मान से भी सम्मानित किया गया, आज हमारे बीच नहीं हैं; उनके विचारों में देशभक्ति झलकती थी। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय मुद्दों पर उनकी स्पष्ट राय थी।

उन्होंने कहा कि डॉ. बैरप्पा के उपन्यास सत्य की खोज से ओतप्रोत थे, और उन्होंने याद दिलाया कि भाजपा अध्यक्ष का पदभार ग्रहण करने के बाद, वे मैसूरु गए और उनके आवास पर जाकर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया।

यह उनके परिवार, करोड़ों कन्नड़ साहित्य प्रेमियों और इस देश के लिए एक अपूरणीय क्षति है। उन्होंने प्रार्थना की कि ईश्वर उन्हें यह दुख सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

जगन को विपक्ष के नेता का दर्जा नहीं दिया जा सकताः आंध्र विधानसभा अध्यक्ष

अमरावती/भाषा। आंध्र प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष सी अय्यन्नापात्रुडु ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह वाईएसआरसीपी प्रमुख वाई एस जगन मोहन रेड्डी को विपक्ष के नेता (एलओपी) का दर्जा नहीं दे सकते। नियमों का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि वाईएसआरसीपी के पास रेड्डी को विपक्ष का नेता मानने के लिए आवश्यक विधायकों की संख्या नहीं है। अय्यन्नापत्रुडु ने विधानसभा को संबोधित करते हुए कहा, ''वह (जगन) पूछते हैं कि बिना संख्याबल के वह (विपक्षी नेता का दर्जा) क्यों नहीं दे सकते? हमारे कुछ नियम हैं। हम उन्हीं के अनुसार चलेंगे, मैं (जगन को) यह (विपक्षी नेता का दर्जा) कैसे दे सकता हूं।'' उन्होंने कहा कि रेड्डी ने विपक्ष के नेता का दर्जा दिए जाने की अपनी याचिका खारिज किए जाने के खिलाफ उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है और अब वह सर्वोच्च न्यायालय जाने की योजना बना रहे हैं। आंध्र प्रदेश की 175 सदस्यीय विधानसभा में केवल 11 विधायकों के साथ, वाईएसआरसीपी आधिकारिक विपक्षी दल के रूप में मान्यता प्राप्त करने के लिए आवश्यक सीमा को पूरा नहीं करती है क्योंकि इसके लिए न्यूनतम 18 विधायकों की आवश्यकता होती है।

स्मार्टफोन निर्यात अगस्त में 39% बढ़ा, अमेरिकी निर्यात में 148% की वृद्धिः आईसीईए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत का स्मार्टफोन निर्यात अगस्त 2025 में सालाना आधार पर 39 प्रतिशत बढ़कर लगभग 1.53 अरब डॉलर हो गया है। इसी अवधि में अमेरिका को निर्यात दोगुना से अधिक हो गया।

इंडिया सेलुलर एंड इलेक्ट्रॉनिक्स एसोसिएशन (आईसीईए) ने बयान में कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 के पहले पांच महीनों में अमेरिका को स्मार्टफोन का निर्यात 8.43 अरब डॉलर तक पहुंच गया, जो वित्त वर्ष 2024-25 की इसी अवधि में 2.88 अरब डॉलर से लगभग तीन गुना अधिक है। उद्योग जगत की बड़ी कंपनियों का प्रतिनिधित्व करने वाले संगठन ने कहा कि अप्रैल-अगस्त 2025 के लिए अमेरिका का आंकड़ा पहले ही वित्त वर्ष 2024-25 के कुल 10.56 अरब अमेरिकी डॉलर के निर्यात का करीब 80 प्रतिशत तक पहुंच चुका है। आईसीईए ने बयान में कहा, '' अगस्त 2025 में स्मार्टफोन निर्यात सालाना आधार पर 39 प्रतिशत बढ़कर 1.53 अरब डॉलर हो गया है। बीते साल इसी महीने में यह 1.09 अरब डॉलर था। इसके अलावा, अमेरिका को निर्यात दोगुना से अधिक हो गया। यह अगस्त 2025 में 148 प्रतिशत बढ़कर 96.5 करोड़ डॉलर हो गया है। एक साल पहले इसी महीने में यह 38.8 करोड़ डॉलर था।

आईसीईए के चेयरमैन पंकज मोहिन्द्रू ने कहा, '' प्रत्येक निर्यात क्षेत्र की अपनी विशिष्ट बारीकियां होती हैं जो अनेक कारकों पर आधारित होती हैं। व्यापार आंकड़ों का अति सरलीकरण और उससे भी बदतर मासिक तुलनाओं पर आधारित निष्कर्ष भ्रामक हो सकता है...।'' इसने तर्क दिया कि अगस्त और सितंबर में आमतौर पर स्मार्टफोन निर्यात सबसे कम होता है। पिछले पांच वर्ष के निर्यात आंकड़ों से पता चलता है कि स्मार्टफोन का निर्यात आमतौर पर अगस्त और सितंबर के पहले पखवाड़े के दौरान सबसे कम रहता है।

आईसीईए ने कहा कि कंपनियां त्योहारों से पहले सितंबर के अंत और अक्टूबर में नए मॉडल पेश करती हैं। इसलिए वैश्विक स्तर पर अधिकतर लोग नई पेशकश का इंतजार करते हैं जिससे अगस्त के दौरान स्मार्टफोन की खरीदारी में भारी कमी आती है।

ट्रेन के सामने कूद कर प्रेमियों ने जीवन लीला समाप्त की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। घर परिवार के लोगों द्वारा प्यार करने वाले दो प्रेमियों की शादी को मंजूर नहीं करने पर दोनों ने ट्रेन के सामने कूद कर जीवन लीला को समाप्त कर ली।मालूरु के शेट्टीहल्ली में रहने वाले सतीश (19) और श्वेता (18) एक दूसरे को प्यार करते थे। जब दोनों ने घर वालों को अपने प्यार की बात बताई और शादी करने की बात कही तो घर वालों ने मना कर दिया।

उन्होंने कहा कि दोनों की जाति अलग अलग है इसलिए यह शादी नहीं हो सकती है। बुधवार को सतीश, जो आईटीआई का विद्यार्थी है उसने अपने दोस्तों के साथ अपना जन्म दिन मनाया। गुरुवार को अल्ल सुबह वह अपनी प्रेमिका श्वेता, जो कि बीई प्रथम वर्ष की छात्रा है, को लेकर मालूर के बैतरायनहल्ली रेलवे स्टेशन पहुंचा। वहां वह दोनों कोलार से बेंगलूरु जाने वाली ट्रेन का इंतजार करने लगे।

सुबह लगभग 6.30 बजे जब ट्रेन वहां पहुंची तो तेज गति से आती हुई ट्रेन के सामने दोनों हाथ पकड़कर कूद गए। ट्रेन दोनों को कुचलते हुए निकल गई।

बेंगलूरु कैंट रेलवे पुलिस ने जाकर क्षत विक्षत शव को अपने कब्जे में लेकर बेंगलूरु लाई और आगे की जाँच के लिए पोस्टमार्टम की कार्रवाई का निर्देश दिया।

दावणगेरे में 'आई लव मोहम्मद' के पोस्टर से साम्प्रदायिक तनाव

दावणगेरे। कर्नाटक के दावणगेरे शहर में 24 सितंबर की रात को 'आई लव मोहम्मद' के संदेशों वाले पोस्टर सामने आने के बाद साम्प्रदायिक तनाव फैल गया जिससे लोगों के दो समूहों के बीच पथराव हुआ। कार्ल मार्क्स नगर की घटना के कारण पोस्टर हटाने को लेकर दो समुदायों के सदस्यों के बीच तनातनी पैदा हो गयी। दावणगेरे की पुलिस अधीक्षक उमा प्रशांत के अनुसार, पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और पांच मिनट के भीतर स्थिति पर काबू पा लिया। उन्होंने संवाददाताओं को बताया, कार्ल मार्क्स नगर में 'आई लव मुहम्मदिया' लिखा बैनर लगाया गया था। दूसरे समुदाय ने इसे हटाने की मांग की। दोनों तरफ से लोग इकट्ठा हो गए थे, लेकिन पुलिस तुरंत मौके पर गई और सभी को तितर-बितर कर दिया।'' उन्होंने कहा, ''अब स्थिति पूरी तरह शांतिपूर्ण है।'' प्रशांत ने कहा कि बैनर भी अब हटा दिए गए हैं।

'हैडलाइन मैनेजमेंट' से काम नहीं चलेगा, उत्पादन बढ़ाने के लिए नई सोच चाहिए : राहुल

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने बृहस्पतिवार को सरकार की विनिर्माण से जुड़ी नीतियों को लेकर सवाल खड़े किए और कहा कि अब 'पीआर' और 'हैडलाइन मैनेजमेंट' से काम नहीं चलेगा, बल्कि उत्पादन बढ़ाने के लिए एक नई सोच की जरूरत है। राहुल गांधी ने अपने व्हाट्सऐप चैनल पर पोस्ट किया, पिछले 11 वर्षों में अगर वास्तव में कुछ 'मेक इन इंडिया' बना है तो वो हैं 'मित्र पूंजीपति'। यह सच्चाई है कि मोदी जी की नीतियां सिर्फ़ अदाणी-अंबानी जैसे अरबपतियों को ही लाभ पहुंचा रही हैं। उन्होंने दावा किया कि इसका सबसे बड़ा नुकसान हमारे एमएसएमई क्षेत्र को हुआ है, जो अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और सबसे ज़्यादा रोज़गार पैदा करता है।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का कहना है, जीडीपी में विनिर्माण का हिस्सा 25 प्रतिशत करने का वादा था, लेकिन आज यह सिर्फ़ 13 प्रतिशत के आसपास रह गया है। भारत, जो कभी विश्वस्तरीय उत्पाद बना रहा था, अब ज़्यादातर चीनी सामानों की असेंबलिंग करता है। उन्होंने आरोप लगाया कि नोटबंदी और जीएसटी जैसी एक के बाद एक गलत नीतियों ने एमएसएमई और हमारी विनिर्माण क्षमताओं को बर्बाद कर दिया।

सरकार का लक्ष्य देश को नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन एवं निर्यात का वैश्विक केंद्र बनाना : प्रल्हाद जोशी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी ने बृहस्पतिवार को कहा कि सरकार का लक्ष्य देश को हरित ऊर्जा के उत्पादन, उपयोग और निर्यात का वैश्विक केंद्र बनाना है। नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री ने राष्ट्रीय राजधानी में एसएंडपी ग्लोबल कमोडिटी इनसाइट्स द्वारा आयोजित विश्व 'हाइड्रोजन इंडिया सम्मेलन' को ऑनलाइन संबोधित किया।

जोशी ने कहा कि भारत ने गैर-जीवाश्म संसाधनों से 50 प्रतिशत स्थापित बिजली क्षमता प्राप्त करने का लक्ष्य निर्धारित समय से पांच वर्ष पहले ही हासिल कर लिया है। उन्होंने कहा, '' नवीकरणीय ऊर्जा में इस अभूतपूर्व वृद्धि ने हमारे अगले लक्ष्य के लिए मंच तैयार कर दिया है जिससे भारत हरित ऊर्जा के उत्पादन, उपयोग एवं निर्यात का वैश्विक केंद्र बन जाएगा।'' मंत्री ने कहा कि भारत की कुल गैर-जीवाश्म ईंधन स्थापित क्षमता लगभग 250 गीगावाट है। हरित हाइड्रोजन के बारे में जोशी ने कहा कि सरकार का हरित हाइड्रोजन कार्यक्रम अविश्वसनीय गति से विचार (विजन) से क्रियान्वयन की ओर बढ़ रहा है। इस दृष्टिकोण को समर्थन देने के लिए एक स्थिर, भरोसेमंद और लाभदायक निवेश माहौल तैयार किया जा रहा है। सरकार ने 2023 में वित्त वर्ष 2029-30 तक 50 लाख टन उत्पादन के लिए 19,744 करोड़ रुपए के शुरुआती व्यय के साथ राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन (एनजीएचएम) शुरू किया था।

एसएंडपी ग्लोबल कमोडिटी इनसाइट्स के वरिष्ठ विश्लेषक (क्रांटिटेटिव एनालिसिस) अभय सिंह ने कहा, '' पुनरुत्थान परिदृश्य में वैश्विक स्तर पर हाइड्रोजन की मांग 2060 तक वर्तमान स्तर से 3.5 गुना तक बढ़ सकती है। यह मौजूदा 1.7 प्रतिशत की ऊर्जा मांग से संभावित रूप से सात प्रतिशत से अधिक होगी।'' उन्होंने कहा कि भारत में भी ऊर्जा मांग में हाइड्रोजन की हिस्सेदारी मौजूदा 1.8 प्रतिशत से बढ़कर तीन प्रतिशत से अधिक होने का अनुमान है।

मतदाता सूची में कई खामियां मिलीं, जल्द ही डेटा के साथ सामने आएंगे : आदित्य ठाकरे

मुंबई/भाषा। शिवसेना (उबाठा) नेता आदित्य ठाकरे ने 2024 के महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों के दौरान मतदाता सूची में अनियमितताओं का बृहस्पतिवार को आरोप लगाते हुए कहा कि उनकी पार्टी को कई खामियां मिली हैं, जिन्हें वह जल्द ही सामने लाएगी।

राज्य के पूर्व मंत्री ने कहा कि वह जल्द ही इन अनियमितताओं के बारे में जानकारी देने के लिए कांग्रेस नेता राहुल गांधी की तरह ही एक प्रेस वार्ता करेंगे। उन्होंने 'इंडिया टुडे कॉन्क्लेव' में कहा कि विधानसभा चुनावों से ठीक पहले पार्टी ने भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) को मतदाताओं की संख्या में अचानक वृद्धि, मतदाताओं के नाम गायब होने और बूथों पर कुप्रबंधन के बारे में पत्र लिखा था। ठाकरे ने कहा, हमारी पार्टी को कई खामियां मिली हैं और वह उन्हें जल्द ही सामने लाएगी उन्होंने कहा, हम अभी जिस डेटा पर काम कर रहे हैं, उसके साथ एक प्रेस वार्ता करेंगे। हम इसे एक साथ मिला रहे हैं। जब उनसे पूछा गया कि क्या वह राहुल गांधी जैसी पत्रकार वार्ता करेंगे, तो उन्होंने कहा, बिल्कुल। हम कर रहे हैं।

हरित हाइड्रोजन की उत्पादन लागत में एक डॉलर प्रति किलो की गिरावट आई : पुरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने बृहस्पतिवार को कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियों की तरफ से जारी नई निविदाओं में हरित हाइड्रोजन की कीमत में प्रति किलो एक डॉलर से अधिक की गिरावट आई है। हरित हाइड्रोजन का भाव पहले 5.5 डॉलर प्रति किलो था लेकिन नई निविदाओं में इसका भाव 4.4-4.5 डॉलर प्रति किलो तय किया गया है।

हरित हाइड्रोजन का इस्तेमाल इस्पात, सीमेंट एवं रसायनों के उत्पादन में कोयले या प्राकृतिक गैस की जगह किया जा सकता है। इसे पानी के अणुओं को तोड़कर बनाया जाता है और इसमें किसी भी ग्रीनहाउस गैस का उत्सर्जन नहीं होता है। पुरी ने 'वर्ल्ड हाइड्रोजन इंडिया सम्मेलन' को संबोधित करते हुए कहा कि इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी) ने हरियाणा की पानीपत रिफाइनरी में 10,000 टन प्रति वर्ष हरित हाइड्रोजन के उत्पादन के लिए निविदा निकाली थी जिसमें लार्सन एंड टुब्रो ने 25 साल के लिए प्रति किलो 4.5 डॉलर का कर-समावेशित मूल्य प्रस्तावित किया।

इसके बाद भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन की तरफ से जारी निविदाओं में भी ओसिओर एनर्जी ने 4.39 डॉलर प्रति किलो की बोली लगाई। उन्होंने उम्मीद जताई कि आने वाले समय में हरित हाइड्रोजन के उत्पादन की दरों में और भी कमी देखने को मिलेगी। भारत ने वर्ष 2030 तक हर साल 50 लाख टन हरित हाइड्रोजन के उत्पादन का लक्ष्य रखा है। वर्ष 2021 में शुरू हुए हरित हाइड्रोजन मिशन का उद्देश्य भारत को वैश्विक बाजार में 10 प्रतिशत हिस्सेदारी दिलाना है। पुरी ने कहा कि राज्य सरकारों द्वारा जारी नीतियां और सहयोगात्मक संघीय ढांचा इस मिशन के लिए अहम हैं। उन्होंने कहा कि वैश्विक स्तर पर हाइड्रोजन की मांग सालाना 3.5 प्रतिशत बढ़कर वर्ष 2050 तक 22 करोड़ टन पहुंच जाने का अनुमान है, जिसमें 60 प्रतिशत कम कार्बन उत्सर्जन वाले स्रोतों से आएगी।

पेट्रोलियम मंत्री ने कहा, भारत का रोडमैप स्पष्ट है जिसमें उत्पादन बढ़ाना, लागत कम करना, निर्यात को सक्षम बनाना और ग्रीन हाइड्रोजन के लिए विश्वसनीय वैश्विक केंद्र के रूप में उभरना शामिल है।

भुगतान सत्यापन के लिए एसएमएस ओटीपी के साथ दूसरे विकल्प भी अपनाए जाएंगेः आरबीआई

मुंबई/भाषा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बृहस्पतिवार को डिजिटल भुगतान के नए नियमों की घोषणा करते हुए कहा कि दो-स्तरों वाले सत्यापन के लिए अब एसएमएस ओटीपी के अलावा अन्य विकल्प भी अपनाए जा सकेंगे। डिजिटल भुगतान को अधिक सुरक्षित बनाने के मकसद से लाए गए ये नियम एक अप्रैल, 2026 से लागू होंगे। आरबीआई ने कहा कि भुगतान सत्यापन के कारकों में 'उपयोगकर्ता के पास मौजूद कोई वस्तु', 'उपयोगकर्ता को ज्ञात कोई चीज' या 'उपयोगकर्ता की कोई पहचान' शामिल हो सकता है। इसमें मोबाइल पर एसएमएस के जरिये आने वाले ओटीपी के अलावा पासवर्ड, पासफ्रेज, पिन, कार्ड हार्डवेयर, सॉफ्टवेयर टोकन, फिंगरप्रिंट या अन्य बायोमेट्रिक तरीके शामिल हो सकते हैं। एसएमएस-ओटीपी का उपयोग पहले की ही तरह जारी रहेगा। भारत ऐसे देशों में शामिल है जो दो स्तरों वाले सत्यापन पर जोर देता है। हालांकि वित्तीय संस्थान अब तक लेनदेन के लिए मुख्य रूप से एसएमएस अलर्ट पर ही निर्भर थे।

इन्फोसिस मोहाली में 300 करोड़ रुपए के निवेश से नया परिसर खोलेगी

चंडीगढ़/भाषा। पंजाब के उद्योग मंत्री संजीव अरोड़ा ने बृहस्पतिवार को कहा कि सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी इन्फोसिस मोहाली में 300 करोड़ रुपए के निवेश से नया परिसर स्थापित करेगी। अरोड़ा ने यहां संवाददाताओं के साथ बातचीत में कहा कि इन्फोसिस का यह परिसर 30 एकड़ क्षेत्र में बनेगा। उन्होंने कहा, ''पहले चरण में तीन लाख वर्गफुट क्षेत्र का निर्माण होगा जिससे शहर में 2,500 नई नौकरियां पैदा होंगी। अगले चरण में 4.80 लाख वर्गफुट क्षेत्र का अतिरिक्त निर्माण किया जाएगा।'' अरोड़ा ने कहा कि सूचना प्रौद्योगिकी सेवाएं देने वाली इन्फोसिस वर्ष 2017 से ही मोहाली में मौजूद है और अब वह यहां अपना विस्तार कर रही है।

इन्फोसिस के मोहाली केंद्र के प्रमुख समीर गोयल ने कहा कि इस परियोजना के लिए राज्य सरकार से अच्छा सहयोग मिला है। गोयल ने कहा, ''हम काफी समय से इस क्षेत्र में काम कर रहे हैं। हमें खुशी है कि हम अपनी मौजूदगी का विस्तार कर रहे हैं।'' उद्योग मंत्री ने कहा कि पंजाब सरकार के विभिन्न प्रोत्साहनकारी उपायों से पंजाब में निवेश बढ़ा है। राज्य सरकार 45 दिन में औद्योगिक परियोजनाओं को मंजूरी दे रही है।

सीबीआई जांच के जरिए भर्ती प्रक्रिया को बाधित करने की मंशा : पुष्कर सिंह धामी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

देहरादून/भाषा। उत्तराखंड बेरोजगार संघ और कांग्रेस की पेपर लीक प्रकरण की केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से जांच कराए जाने की मांग को लेकर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बृहस्पतिवार को कहा कि यह राज्य में भर्ती प्रकिया को उलझाने और भटकाने की मंशा है। हालांकि, उन्होंने साफ किया कि प्रदेश में भर्ती प्रक्रिया अनवरत रूप से जारी रखी जाएगी और सभी रिक्त पदों को भरा जाएगा।

यहां पंडित दीन दयाल उपाध्याय शैक्षिक उत्कृष्टता पुरस्कार समारोह में मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले चार सालों में पारदर्शिता के साथ भर्ती परीक्षाएं संपन्न हुईं और 25 हजार युवाओं को नौकरी मिली जबकि राज्य बनने के 21 सालों में केवल 16 हजार नियुक्तियां हुईं थीं। हालांकि, उन्होंने कहा कि कुछ लोगों को यह रास नहीं आ रहा है कि युवाओं को पारदर्शी तरीके से सरकारी नौकरी मिले और वे संगठित रूप से पेपर लीक कराने का षडयंत्र रच रहे हैं तथा एक शिकायत के आधार पर अराजकता का माहौल बना दिया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा, बहुत सारे लोगों की मंशा है कि पेपर लीक, अराजकता के नाम पर या जांचों के नाम पर इसको (भर्ती प्रक्रिया को) उलझाया दिया जाए, भटका दिया जाए।

उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि दिल्ली में तथा राज्य के बहुत से लोग जो सीबीआई के खिलाफ बोलते रहे हैं, वे ही आज इस मामले में सीबीआई जांच की मांग कर रहे हैं। धामी ने कहा कि सीबीआई जांच की एक प्रक्रिया होती है जो कई सालों तक चलती है और इस दौरान सारी भर्ती प्रक्रिया स्थगित हो जाती है।

अमृतसर में चार किलो हेरोइन और दो पिस्तौल बरामद, छह लोग गिरफ्तार : पंजाब पुलिस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। पंजाब पुलिस ने अमृतसर से छह व्यक्तियों को गिरफ्तार कर मादक पदार्थ और हथियार आपूर्ति गिरोह का भंडाफोड़ करने का दावा किया और उनके कब्जे से 4.03 किलोग्राम हेरोइन और दो पिस्तौल बरामद कीं।

पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने 'एक्स' पर कहा, खुफिया जानकारी के आधार पर चलाए गए अभियान में, अमृतसर कमिश्नरेट पुलिस ने नशीले पदार्थ और हथियारों के एक बड़े नेटवर्क का भंडाफोड़ किया। सीमा पार से हेरोइन और हथियारों की आपूर्ति में शामिल छह व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया और 4.03 किलोग्राम हेरोइन और दो पिस्तौल (एक ग्लॉक 9 मिमी व एक .30 बोर) बरामद की गईं।'' प्रारंभिक जांच से पता चला है कि आरोपी सोशल मीडिया के माध्यम से शाह नामक पाकिस्तान स्थित अपने आका के संपर्क में थे। डीजीपी ने कहा, आरोपी खेमकरन और फिरोजपुर सेक्टर में हेरोइन और हथियारों की खेप प्राप्त कर रहे थे, जिसे पाकिस्तानी तस्कर ड्रोन के माध्यम से भेज रहे थे और इन्हें अमृतसर क्षेत्र में भेजा जाना था। अमृतसर के गेट इस्लामाबाद थाने में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने बताया कि गिरोह का पूरी तरह से पर्दाफाश करने के लिए आगे की जांच जारी है।

दशहरा वॉकथॉन

गुरुवार को मैसूर में मैसूरु दशहरा 2025 के हिस्से के रूप में महिलाएं महिला दशहरा वॉकथॉन में भाग लेती हैं।

कर्नाटक सरकार जाति सर्वेक्षण में शामिल नहीं होने वाले अधिकारियों और कर्मियों के खिलाफ कार्रवाई करेगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक सरकार ने बृहस्पतिवार को कहा कि उन सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी जो सौंपे गए सामाजिक और शैक्षिक सर्वेक्षण (जिसे आमतौर पर जातिगत गणना के रूप में जाना जाता है) का काम नहीं कर रहे हैं। सर्वेक्षण की धीमी गति, तकनीकी गड़बड़ियों और सर्वर संबंधी समस्याओं के कारण डेटा संग्रह प्रभावित होने की चिंताओं के बीच कानून एवं विधायी कार्य मंत्री एच.के. पाटिल ने कहा कि बृहस्पतिवार को स्थिति में सुधार होने की जानकारी मिली है। कर्नाटक राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग द्वारा 22 सितंबर से शुरू किया गया यह सर्वेक्षण सात अक्टूबर तक चलेगा। पाटिल ने मंत्रिमंडल की बैठक के बाद संवाददाताओं से कहा, ''एक आदेश के तहत राज्य में जारी सामाजिक एवं शैक्षिक सर्वेक्षण के लिए प्रतिनियुक्त उन सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई करने का निर्णय लिया गया है, जो अपना कर्तव्य नहीं निभा रहे हैं या उपस्थित नहीं हो रहे हैं। ग्रेटर बेंगलुरु प्राधिकरण क्षेत्र में कार्रवाई करने का अधिकार ग्रेटर बेंगलुरु प्राधिकरण आयुक्त को दिया गया है।''

अन्य जिलों के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, ''ये आदेश जिलों तक भी पहुंचेंगे। मुख्यमंत्री कल वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए सभी जिलों के उपायुक्तों और सभी जिला पंचायतों के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों के साथ बैठक करेंगे और बैठक में आवश्यक निर्देश देंगे।'' मंत्री ने कहा कि दोषी अधिकारियों के खिलाफ सेवा नियमों के अनुसार अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

पाटिल ने बताया कि सर्वेक्षण के दौरान आ रही तकनीकी समस्याओं पर कैबिनेट बैठक में चर्चा हुई। उन्होंने कहा, ''यह सच है कि पहले और दूसरे दिन सर्वर संबंधी समस्याएं थीं, लेकिन जानकारी मिली है कि आज स्थिति में सुधार हुआ है।''

सर्वेक्षण में 1.75 लाख गणना कर्मी शामिल होंगे, जिनमें से अधिकतर सरकारी स्कूल के शिक्षक होंगे। इस सर्वेक्षण के तहत राज्य भर के लगभग दो करोड़ घरों के लगभग सात करोड़ लोगों को शामिल किया जाएगा। अधिकारियों के अनुसार, 420 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत वाला यह सर्वेक्षण 'वैज्ञानिक' तरीके से किया जा रहा है, जिसके लिए 60 प्रश्नों की प्रश्नावली तैयार की गई है। आयोग द्वारा दिसंबर तक सरकार को अपनी रिपोर्ट सौंपे जाने की उम्मीद है।

कर्नाटक उच्च न्यायालय का जाति आधारित सर्वेक्षण पर रोक लगाने से इनकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने बृहस्पतिवार को जाति आधारित सर्वेक्षण के नाम से प्रचलित सामाजिक और शैक्षिक सर्वेक्षण पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। लेकिन सर्वेक्षण को कैसे किया जाए और एकत्रित डेटा को कैसे संभाला जाए, इसको लेकर अदालत ने सख्त सुरक्षा उपाय लागू किए। मुख्य न्यायाधीश विभु बाखरू और न्यायमूर्ति सी. एम. जोशी की खंडपीठ ने स्पष्ट किया कि सर्वेक्षण की प्रक्रिया जारी रह सकती है, लेकिन एकत्रित आंकड़े गोपनीय रहने चाहिए और किसी के साथ साझा नहीं किए जा सकते। पीठ ने आदेश दिया कि प्रतिभागियों को स्पष्ट रूप से बताया जाए कि उनकी भागीदारी स्वैच्छिक है। पीठ ने कहा, हमें जारी सर्वेक्षण पर रोक लगाने का कोई कारण नहीं दिखता। लेकिन हम यह स्पष्ट करते हैं कि एकत्रित आंकड़े किसी भी व्यक्ति के साथ साझा नहीं किए जाएंगे। आयोग यह सुनिश्चित करेगा कि आंकड़े पूरी तरह सुरक्षित रहें और गोपनीय रखे जाएं। हम आयोग को एक सार्वजनिक अधिसूचना जारी करने का निर्देश देते हैं जिसमें स्पष्ट किया जाए कि इस सर्वेक्षण में भागीदारी स्वैच्छिक है और कोई भी व्यक्ति किसी भी जानकारी का खुलासा करने के लिए बाध्य नहीं है। अदालत ने कहा कि यह स्पष्टीकरण सर्वेक्षण प्रक्रिया की शुरुआत में ही दिया जाना चाहिए। अदालत ने कहा कि गणना करने वाले उन व्यक्तियों पर दबाव नहीं डाल सकते या उन्हें प्रोत्साहित नहीं सकते जो इसमें भाग लेने से इनकार करते हैं। आयोग को एक कार्यदिवस के भीतर एक हलफनामा दाखिल करने का भी निर्देश दिया गया है जिसमें एकत्रित और संग्रहीत आंकड़ों की सुरक्षा के लिए उठाए गए कदमों की रूपरेखा के बारे में बताया गया हो।

इस सप्ताह की शुरुआत में, कर्नाटक सरकार ने सर्वेक्षण का बचाव करते हुए तर्क दिया कि केंद्र सरकार विरोधाभासी रुख अपना रही है। राज्य की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने बताया कि केंद्र ने ही 2021 में 105वां संविधान संशोधन पारित किया था, जिसने पिछड़े वर्गों की पहचान करने और उन्हें सूचीबद्ध करने की राज्यों की शक्तियों को बहाल किया।

हर क्षेत्र में आत्मनिर्भरता आवश्यक : विजयेंद्र येडीयुरप्पा

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। आत्मनिर्भर भारत का अर्थ केवल आर्थिक आत्मनिर्भरता नहीं है। भारत को आज आध्यात्मिक, सांस्कृतिक, तकनीकी और सभी क्षेत्रों में आत्मनिर्भर बनना होगा। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक विजयेंद्र येडीयुरप्पा ने कहा कि नरेंद्र मोदी जी की इच्छा के अनुरूप, भारत तकनीक और रक्षा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन रहा है। उन्होंने गुरुवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय जगन्नाथ भवन में पंडित दीनदयाल उपाध्याय की 109वीं जयंती समारोह के तहत आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान कार्यक्रम का उद्घाटन किया और अभियान का लोगो जारी किया। बाद में, आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान के लिए शपथ ली गई और जगन्नाथ भवन के सामने एक पौधा लगाया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि भारतीय उत्पादों की वैश्विक स्तर पर बिक्री होनी चाहिए; प्रधानमंत्री ने स्वदेशी की अवधारणा में आत्मनिर्भर बनने की इच्छा व्यक्त की है। स्वदेशी विचार केवल हमारे भीतर हों, तो यह संभव नहीं है। उन्होंने स्वदेशी विचारों को अपने घरों और समाज में रोपने का आह्वान किया। राष्ट्रीय स्तर पर और राज्य स्तर पर भी आत्मनिर्भरता कार्यशाला संपन्न हो चुकी है। फिर, दिसंबर माह में, आने वाले दिनों में घर-घर संपर्क के माध्यम से स्वदेशी विचारों पर और ज़ोर देना होगा। इसके माध्यम से हम सभी को एक सशक्त भारत के निर्माण में सक्रिय होना चाहिए; उन्होंने प्रत्येक भाजपा कार्यकर्ता से राष्ट्र निर्माण में हमारे साथ जुड़ने की अपील की।

देश के गौरवशाली प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदीजी यह संकल्प नहीं ले पाते कि वर्ष 2047 तक भारत एक विकसित देश बने; एक आत्मनिर्भर भारत, एक आत्मनिर्भर भारत का निर्माण हो। क्योंकि नरेंद्र मोदीजी एक व्यक्ति और एक शक्ति की तरह प्रधानमंत्री के रूप में देश का नेतृत्व कर रहे हैं। विजयेंद्र येडीयुरप्पा ने याद दिलाया कि नरेंद्र मोदी जी भी पंडित दीनदयाल उपाध्याय से प्रेरित थे। श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पंडित दीनदयाल उपाध्याय, लाल कृष्ण आडवाणी और अटल बिहारी वाजपेयी देशभक्त और राष्ट्रभक्त नागरिक बनाने के लिए कृतसंकल्प थे। उन्होंने कहा कि भारत को समृद्ध भारत बनना है, जिसके लिए एक राजनीतिक दल की आवश्यकता है, और उन्होंने जनसंघ के माध्यम से आज भाजपा को बनाने का कार्य किया। उन्होंने याद दिलाया कि यदि दीनदयाल उपाध्याय ने भाजपा को अस्तित्व नहीं दिया होता, तो हम सभी को बैठकर बात करने का अवसर नहीं मिलता।

उन्होंने कहा कि राजनीति में ईमानदारी, निष्ठा और सिद्धांत होने पर ही हम किसी लक्ष्य तक पहुँच पाएंगे। वह व्यक्ति हो या न हो, लेकिन स्पष्ट विचार और सिद्धांतों को रखकर दीनदयाल उपाध्याय ने जनसंघ के माध्यम से भाजपा को मजबूती प्रदान की।

दीनदयाल उपाध्याय के मुक्ति के स्वप्न को साकार करने का श्रेय मोदी को : बोम्मई

चिक्कमगलूरु। पूर्व मुख्यमंत्री और सांसद बसवराज बोम्मई ने कहा कि देश के 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकालकर पंडित दीनदयाल उपाध्याय के मुक्ति के विचारों को साकार करने का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जाता है। उन्होंने पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती के उपलक्ष्य में चिक्कमगलूरु जिला भाजपा के कदूर मंडल द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में भाग लिया, उनके चित्र पर पुष्प अर्पित किए और भाषण दिया। उन्होंने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय एक मानवतावादी थे। वे एक महान व्यक्ति थे जिन्होंने भाजपा को एक सिद्धांत और विचारधारा दी। उन्होंने कहा था कि प्रत्येक व्यक्ति के विकास के साथ-साथ समाज और देश का विकास भी होना चाहिए। उन्होंने सर्वोदय की प्राप्ति के लिए अंत्योदय का विचार दिया।

स्वास्थ्य सेवा में नैतिकता शिखर सम्मेलन का हुआ उद्घाटन

बेंगलूरु। अग्रणी स्वास्थ्य एवं कल्याण उद्यम, हैप्पिएस्ट हेल्थ द्वारा आयोजित स्वास्थ्य सेवा में नैतिकता शिखर सम्मेलन 2025 का गुरुवार को कर्नाटक सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री दिनेश गुंडू राव और हैप्पिएस्ट हेल्थ के अध्यक्ष एवं मुख्य संरक्षक अशोक सूता ने उद्घाटन किया। इस शिखर सम्मेलन में चिकित्सा, नीति, कानून और प्रशासन के क्षेत्र के प्रमुख लोग शामिल होंगे, ताकि भारत में स्वास्थ्य सेवा वितरण के मार्गदर्शक केंद्रीय सिद्धांत के रूप में नैतिकता पर विचार-विमर्श किया जा सके।

उद्घाटन के अवसर पर बोलते हुए मंत्री दिनेश गुंडू राव ने कहा, नैतिक स्वास्थ्य सेवा का अर्थ है सबसे किफायती दरों पर सर्वोत्तम संभव देखभाल प्रदान करना। जब अस्पताल पूरी तरह से लाभ-प्रेरित व्यवसाय के रूप में संचालित होते हैं, तो किसी के बीमार पड़ने मात्र से ही परिवार गरीबी में धकेल दिए जाते हैं। स्वास्थ्य सेवा की सच्ची ज़िम्मेदारी रोकथाम में निहित है – हर घर तक पहुँचकर शीघ्र पहचान, खाद्य सुरक्षा का विनियमन, और यह सुनिश्चित करना कि गुणवत्तापूर्ण उपचार सभी के लिए सुलभ रहे। स्वास्थ्य सेवा मानवता की सेवा करे, न कि कॉर्पोरेट लक्ष्यों की। हैप्पिएस्ट हेल्थ के अध्यक्ष और मुख्य सलाहकार अशोक सूता ने कहा, स्वास्थ्य सेवा में नैतिकता वह अनुशासन है जो मानवीय गरिमा की रक्षा करता है और हमें सही राह दिखाता है। इसके बिना, चिकित्सा यांत्रिक और भ्रष्ट हो जाती है, जहाँ अनावश्यक प्रक्रियाएँ फलती-फूलती हैं और मरीज़ लापरवाही के कारण नुकसान उठाते हैं। सच्चे नैतिक आचरण का अर्थ है मरीजों को शिक्षित करना, अनावश्यक हस्तक्षेपों से बचना, और मात्रा-आधारित रैंकिंग की बजाय गुणवत्ता को प्राथमिकता देना।

कन्नड़ समर्थक संगठन ने 'हिंदी थोपने' के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया

बेंगलूरु। पुलिस ने कर्नाटक रक्षण वेदिके (करवे) के सैकड़ों कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार कर लिया है, जिन्होंने गुरुवार को शहर के एक पांच सितारा होटल में केंद्र सरकार के गृह विभाग की राजभाषा समिति द्वारा आयोजित 'हिंदी प्रचार सभा' का घेराव किया था। वेदिके प्रदेश अध्यक्ष टी. ए. नारायण गौड़ा के नेतृत्व में सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने छह सांसदों की मौजूदगी में पांच सितारा ताज वेस्ट एंड होटल में आयोजित कार्यक्रम का घेराव किया और अपना गुस्सा जाहिर किया। घटनास्थल पर कुछ देर तक तनावपूर्ण स्थिति बनी रही। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि यह कार्यक्रम गैर-हिंदी भाषी राज्यों पर हिंदी भाषा थोपने की पृष्ठभूमि में आयोजित किया गया था। हाई ग्राउंड्स पुलिस स्टेशन घटनास्थल पर पहुंची और कार्यक्रम के दौरान बिना किसी चेतावनी के वेदिके कार्यकर्ताओं पर हमला करने वाले कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार कर लिया। विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व करवे जिला अध्यक्ष धर्मराज गौड़ा और महिला इकाई अध्यक्ष श्वेता मोहन ने किया।

केनरा बैंक ने स्वच्छता ही सेवा अभियान का किया आयोजन

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। भारत के अग्रणी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक, केनरा बैंक ने 25 सितम्बर को भारत सरकार के स्वच्छ भारत मिशन के एक प्रमुख कार्यक्रम, 'एक दिन एक घंटा एक साथ' के अंतर्गत स्वच्छता अभियान का आयोजन किया। केनरा बैंक ने 25 सितम्बर को बनशंकरी द्वितीय चरण में श्रमदान गतिविधि का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में बैंक कर्मचारियों की सक्रिय भागीदारी देखी गई, जिन्होंने सार्वजनिक स्थानों की सफाई, कचरा संग्रहण और स्वच्छता के महत्व के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए मिलकर काम किया। कर्मचारियों ने स्थानीय जनता के साथ मिलकर इस पहल में भाग लिया और लगभग 1 किलोमीटर के आसपास के क्षेत्र को एक घंटे तक साफ किया।

बैंक के एमडी एवं सीईओ सत्यनारायण राजू और बैंक के शीर्ष प्रबंधन ने इस अभियान में सक्रिय रूप से भाग लिया। इस अवसर पर सत्यनारायण राजू ने कहा कि केनरा बैंक में, हम समाज को कुछ देने और राष्ट्र के विकास में योगदान देने में विश्वास करते हैं। 'एक दिन एक घंटा एक साथ' पहल में हमारी भागीदारी सामाजिक उत्तरदायित्व और स्थिरता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण है। हमें इस अभियान का हिस्सा बनने पर गर्व है और हम एक स्वच्छ एवं स्वस्थ भारत की दिशा में अपने प्रयासों को जारी रखने के लिए तत्पर हैं।

कर्नाटक की पहली कौशल नीति का लक्ष्य कर्नाटक को कुशल कार्यबल का वैश्विक केंद्र बनाना है

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। कर्नाटक ने अपनी पहली कौशल विकास नीति 2025-2032 का अनावरण किया है, जिसका उद्देश्य राज्य को कुशल प्रतिभाओं के लिए एक प्रमुख केंद्र के रूप में स्थापित करना और 2032 तक 1 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने के अपने लक्ष्य को प्राप्त करना है। गुरुवार को कैबिनेट की बैठक में स्वीकृत, यह नीति एक एकीकृत डिजिटल पोर्टल के माध्यम से प्रशिक्षण, मूल्यांकन और करियर मार्गदर्शन के लिए डिजिटल तकनीकों और एआई-संचालित उपकरणों का लाभ उठाती है। यह वैश्विक प्रमाणन, प्रवासन सहायता और विशेष प्रशिक्षण की सुविधा प्रदान करके अंतर्राष्ट्रीय कार्यबल गतिशीलता पर भी ज़ोर देती है। यद्यपि कौशल विकास, उद्यमिता और आजीविका विभाग (एसडीईएल) की स्थापना 2017 में कौशल विकास पहलों के समन्वय और संचालन के लिए की गई थी, कर्नाटक में अब तक कोई औपचारिक कौशल विकास नीति नहीं थी। इस नीति का एक प्रमुख आकर्षण क्रेडिट-आधारित कार्यक्रमों के माध्यम से स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में व्यावसायिक शिक्षा का एकीकरण है।

सीएमकेकेवाई 2.0 को कौशल विकास के जीवन-चक्र दृष्टिकोण के तहत सभी राज्य कौशल कार्यक्रमों (जैसे 'कालिके जोथगे कौशल्य, नन्ना वृत्ति नन्ना आयके' आईएलसी, आईएमसी-के, आरपीएल और विशेष परियोजनाएँ) को एकीकृत करने के लिए एक व्यापक योजना के रूप में स्थापित किया गया है।

दक्षिण पश्चिम रेलवे

ई-निविदा सूचना बिड सं: SBC-MECH-CW-ROH-25 दिनांक: 18.09.2025

भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं:

कार्य का नाम	अनुमानित लागत
बेंगलूरु विभाग: बेंगलूरु विभाग पर सैटलाईट गुड्स टर्मिनल वेगन डिपो पर दो वर्ष की अवधि के लिए आऊटकम विधि अनुसार आरओएच गतिविधियों का आऊटसोर्सिंग कार्य।	रु. 2,71,40,471.58

निविदाओं जमा करने की अंतिम तिथि: 10.10.2025, 11:00 बजे तक

विवरण के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in में

वरिष्ठ विभागीय मेकानिकल इंजीनियर बेंगलूरु

PUB/507/AAF/PRB/SWR/2025-26

अनारक्षित टिकटों की बुकिंग में आसानी के लिए गूगल प्ले स्टोर से यूटीएस मोबाइल ऐप डाउनलोड करें

South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRAILWAYHQ | sw_railways

दक्षिण पश्चिम रेलवे

भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं:

ई-निविदा सूचना सं: 13-CWS-MYSS-2025-26 दिनांक: 19.09.2025

कार्य का नाम	अनुमानित लागत
कोचों को एआरटी/एआरएमई से रूपांतरण करना। (3 कोचों)	रु. 7,25,700/-

निविदाओं जमा करने की अंतिम तिथि: 11.10.2025, 13:00 बजे तक

ई-निविदा सूचना सं: 14-CWS-MYSS-2025-26 दिनांक: 19.09.2025

कार्य का नाम	अनुमानित लागत
आईसीएफ कोचों एक्सल बॉक्स सफाई और एक्सल बॉक्स का पेंटिंग।	रु. 11,42,198.72

निविदाओं जमा करने की अंतिम तिथि: 13.10.2025, 10:30 बजे तक

ई-निविदा सूचना सं: 11-CWS-MYSS-2025-26 दिनांक: 22.09.2025

कार्य का नाम	अनुमानित लागत
एलएचबी कोचों में संक्षारण का मरम्मत करना (शौचालयों के नीचे)	रु. 1,29,66,769.85

निविदाओं जमा करने की अंतिम तिथि: 14.10.2025, 16:30 बजे तक

ई-निविदा सूचना सं: 12-CWS-MYSS-2025-26 दिनांक: 22.09.2025

कार्य का नाम	अनुमानित लागत
एलएचबी कोचों का चाईल्ड पार्ट/स्पेअर आईटमों से अंडर फ्रेम फ्रंट पार्ट का संपूर्ण फिटमेंट	रु. 18,85,752.80

निविदाओं जमा करने की अंतिम तिथि: 14.10.2025, 15:30 बजे तक

विवरण के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in में

उप मुख्य कार्यशाला प्रबंधक/केंद्रीय कार्यशाला/मैसूरु

PUB/505/AAF/PRB/SWR/2025-26

अनारक्षित टिकटों की बुकिंग में आसानी के लिए गूगल प्ले स्टोर से यूटीएस मोबाइल ऐप डाउनलोड करें

South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRAILWAYHQ | sw_railways

दक्षिण पश्चिम रेलवे

ई-(आईआरईपीएस) निविदा सूचना सं: 30 UBL 2025-26 दिनांक: 18.09.2025

भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं:

क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत
1	हुबली विभाग: उप कार्य-1: धारवाड - आलनावर: मुगड-कंबरगनवी विभाग में कुल 7.20 किमी. लंबाई दूर के लिए टीएसआर (पी)। उप कार्य-2: हुबली (यूबीएल) यार्ड में ले-आऊट पर सुधार।	रु. 3,01,68,533.00
2	हुबली विभाग: जीएसडी/हुबली पर सीसी सर्वीस रोड नं. 3 और 4 पर सुधारण कार्य।	रु. 1,99,81,631.00
3	हुबली विभाग: कुलेम: कुलेम स्टेशन पर वास्को-ड-गामा अंत केओर पर सैंड फिलिंग शेल्टर (सैंड शेड) का निर्माण।	रु. 2,15,32,680.00
4	हुबली विभाग: वास्को-ड-गामा (वीएसजी) कोचिंग डिपो पर पिट लाईन का प्रस्तावित मरम्मत / पुनरनिर्माण कार्य।	रु. 2,09,05,193.00
5	हुबली विभाग: वरिष्ठ विभागीय इंजीनियर/पश्चिम/हुबली क्षेत्राधिकार पर एटी वेल्ड का आपूर्ती।	रु. 1,11,02,462.00
6	हुबली विभाग: उगरखुर्द (यूजीआर) और शेडबाल (एसईडी) स्टेशनों के बीच लोंडा-मीरज (एलडी-एमआरजे) विभाग पर किमी. 723-297 पर ब्रिज नं. 198 को आरसीसी बॉक्स से प्रस्तावित पुनर्वास-प्रतिस्थापन।	रु. 1,01,55,502.00
7	हुबली विभाग: एसएसई/पी.वे/बल्लारी पर कुडतिनी - हद्दिनगुंडु (केडीएन-एचडीडी), बल्लारी - रायदुर्गा (बीएवाय-आरडीजी) और रायदुर्गा - दद्दहल्ली (आरडीजी-डीडीएचआई) एसएल लाईन विभागों पर दोनों अप और डाऊन लाईन केलिए ट्रैक केलिए वार्षिक रखरखाव कार्य।	रु. 3,83,23,667.00
8	हुबली विभाग: एसएसई/पी.वे/पोसहेटे (एमएल) क्षेत्राधिकार पर एक साल की अवधि के लिए ट्रैक पर वार्षिक रखरखाव कार्य।	रु. 4,29,00,481.00

निविदाओं जमा करने की अंतिम तिथि: 16.10.2025, 11:00 बजे तक

विवरण के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in में

वरिष्ठ विभागीय इंजीनियर/समन्वय हुबली

PUB/503/AAMO/PRB/SWR/2025-26

अनारक्षित टिकटों की बुकिंग में आसानी के लिए गूगल प्ले स्टोर से यूटीएस मोबाइल ऐप डाउनलोड करें

South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRAILWAYHQ | sw_railways

इसरो isro

भारत सरकार, अंतरिक्ष विभाग
भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो)
द्रव प्रणोदन प्रणाली केंद्र (एलपीएससी)
निर्माण एवं रखरखाव प्रभाग
80 फीट रोड, एचएएल II चरण, बेंगलूरु फ़ोन नंबर: 080-25037203/080-25037124

दिनांक : 25.09.2025

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, निम्नलिखित कार्यों के लिए मद दर निविदाएँ आमंत्रित की जाती हैं।

क्र. सं.	कार्य का नाम और एनआईटी संख्या एवं दिनांक	अनुमानित राशि	ईएमडी	पूर्ण होने की अवधि
1	एलपीएससी(बी) परिसर, बेंगलुरु में विद्युत के संचालन एवं रखरखाव हेतु एएमसी एनआईटी सं: LPSC(B)/CMD/03/3012/E/MI/021/2025-26 दिनांक : 25.09.2025	₹ 29.76 लाख	₹ 59,520/-	12 महीने
2	एलपीएससी(बी) परिसर, तुमकुरु सुविधा के विद्युत सबस्टेशन के संचालन एवं रखरखाव हेतु एएमसी। एनआईटी सं: LPSC(B)/CMD/03/3013/E/MI/022/2025-26 दिनांक : 25.09.2025	₹ 22.91 लाख	₹ 45,820/-	12 महीने
3	एलपीएससी(बी) परिसर, बेंगलुरु में एयर कंडीशनिंग प्रणालियों के संचालन एवं रखरखाव हेतु एएमसी। एनआईटी सं: LPSC(B)/CMD/03/3014/AC/MI/023/2025-26 दिनांक : 25.09.2025	₹ 22.32 लाख	₹ 44,640/-	12 महीने
4	एलपीएससी(बी) परिसर, तुमकुरु में एयर कंडीशनिंग प्रणालियों के संचालन एवं रखरखाव हेतु एएमसी। एनआईटी सं: LPSC(B)/CMD/03/3015/AC/MI/024/2025-26 दिनांक : 25.09.2025	₹ 22.32 लाख	₹ 44,640/-	12 महीने

डाउनलोड करने की अवधि: 26.09.2025 से 10.10.2025 तक

इच्छुक निविदाकर्ता कृपया www.tenderwizard.com/ISRO देखें। पात्रता मानदंड और अन्य विवरणों के लिए निविदा आमंत्रण सूचना (एनआईटी) भी उपलब्ध है, जिसे www.isro.gov.in, www.lpsc.gov.in वेबसाइट से डाउनलोड किया जा सकता है।

ह/- प्रमुख सीएमडी, एलपीएससी (बी)

देश आज बिजली की रफ्तार से आगे बढ़ रहा है: मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बांसवाड़ा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विभिन्न राज्यों की बिजली परियोजनाओं की शुरुआत करते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि देश आज बिजली की रफ्तार से आगे बढ़ रहा है और इस रफ्तार में इस राष्ट्र के सभी हिस्से शामिल हैं। मोदी ने कहा कि आदिवासी समाज को स्वाभिमान से जीवन जीने का अवसर मिले, यह उनकी सरकार की प्रतिबद्धता है। वह बांसवाड़ा के नापला में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा,राजस्थान की धरती से आज बिजली क्षेत्र में भारत के सामर्थ्य का एक नया अध्याय लिखा जा रहा है। आज राजस्थान, मध्यप्रदेश, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक एवं महाराष्ट्र में 90 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा की बिजली परियोजनाएं शुरू हुई हैं। नब्बे हजार करोड़ रुपए से ज्यादा की परियोजनाएं एक साथ शुरू होना दिखाता है कि देश आज बिजली की रफ्तार से आगे बढ़ रहा है और इस रफ्तार में देश के सभी हिस्से शामिल हैं। हर राज्य को प्राथमिकता दी जा रही है।

मोदी ने कहा,सौर ऊर्जा से लेकर परमाणु ऊर्जा तक देश अपनी बिजली उत्पादन क्षमता को नयी ऊंचाई तक लेकर जा रहा है। आज तकनीक एवं उद्योगों के जमाने में विकास की गाड़ी बिजली से ही दौड़ती है। बिजली है, तो उजाला है। बिजली है, तो गति है। बिजली है, तो प्रगति है। बिजली है तो दूरियां मिटी हैं। और बिजली है तो दुनिया हमारे पास है।

प्रधानमंत्री ने कहा,लेकिन देश में कांग्रेस की सरकार ने बिजली के महत्त्व पर ध्यान ही नहीं दिया। जब 2014 में आपने मुझे सेवा का अवसर दिया और मैंने दायित्व संभाला तो देश के ढाई करोड़ घर ऐसे थे जहां बिजली कनेक्शन नहीं था। आजादी के सत्तर साल बाद भी देश के 18000 गांवों में बिजली खंभा ही नहीं लगा था। बड़े बड़े शहरों में घंटों-घंटों की बिजली कटौती होती थी। गांवों में चार-पांच घंटे बिजली आ जाये तो बड़ी बात होती थी .... 2014 में हमारी सरकार ने इन हालातों को बदलने का संकल्प लिया।

उन्होंने कहा,हमने देश के हर गांव तक बिजली पहुंचाई। हमने ढाई करोड़ घरों को मुफ्त बिजली कनेक्शन दिया और जहां जहां बिजली के तार पहुंचे वहां बिजली भी पहुंची। वहां लोगों की जिंदगी आसान हुई। उन्होंने कहा,इक्कीसवी सदी में जिस देश को तेजी से विकास करना है उसे अपने यहां बिजली उत्पादन बढ़ाना ही होगा। इसमें भी सबसे सफल वही देश होंगे जो स्वच्छ उर्जा में आगे रहेंगे। इसलिए हमारी सरकार स्वच्छ उर्जा के अभियान को एक जन आंदोलन बना कर काम कर रही है।

आदिवासी बहुल बांसवाड़ा इलाके की इस सभा में मोदी ने कहा, आदिवासी समाज को स्वाभिमान से जीवन जीने का अवसर मिले, यह हमारी प्रतिबद्धता है। माल एवं सेवा कर (जीएसटी) की दरों में सरलीकरण को लेकर उन्होंने कहा कि आज पूरा भारत जीएसटी बचत उत्सव मना रहा है तथा हर रोज इस्तेमाल की जाने वाली ज्यादातर चीजें सस्ती हो गई हैं। भाजपा की राजस्थान सरकार के प्रदर्शन पर उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने राज्य को लूटकर जो जख्म दिए, उसे भरने का काम भाजपा सरकार कर रही है। इस अवसर पर राज्यपाल हरिभाऊ बागडे, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे भी मौजूद थे।

मोदी ने राजस्थानवासियों को दो वंदे भारत और एक एक्सप्रेस ट्रेन की दी सौगात

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दशहरा से पहले गुरुवार को राजस्थानवासियों को दो वंदे भारत एक्सप्रेस और एक एक्सप्रेस ट्रेन की सौगात दी। मोदी ने बांसवाड़ा में आयोजित समारोह में वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए बीकानेर - दिल्ली कैंट वंदे भारत एक्सप्रेस, जोधपुर - दिल्ली कैंट वंदे भारत एक्सप्रेस और उदयपुर सिटी - चंडीगढ़ एक्सप्रेस ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान उन्होंने 108 लाख करोड़ रुपए की विभिन्न योजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया।

उद्घाटन वाले दिन जोधपुर-दिल्ली कैंट वंदे भारत एक्सप्रेस मेडता रोड, डेगाना, मकराना, फुलेरा, जयपुर, अलवर, रेवाड़ी और गुड़गांव में ठहरी। इस ट्रेन में सात एसी चेयर कार और एक एग्जिक्यूटिव चेयर कार थे। यह ट्रेन नियमित सेवा संख्या 26481/26482, शनिवार (27 सितंबर) से सप्ताह में छह दिन (मंगलवार को छोड़कर) जोधपुर-दिल्ली कैंट के बीच चलेगी। यह ट्रेन 27 सितंबर से मेड़तारोड, डेगाला, मकराना, फुलेरा, जयपुर, अलवर, रेवाड़ी और गुरुग्राम में रुकेगी।

बीकानेर-दिल्ली कैंट वंदे भारत एक्सप्रेस उद्घाटन वाले दिन श्रीडूंगरगढ़, रतनगढ़, चूरू, सादुलपुर, लोहारू, महेंद्रगढ़ और गुड़गांव में ठहरी।इसमें भी सात एसी चेयर कार और एक एग्जिक्यूटिव चेयर कार कोच थे। नियमित सेवा संख्या 26471/26472, रविवार (28 सितंबर) से सप्ताह में छह दिन (बुधवार को छोड़कर) बीकानेर-दिल्ली कैंट के बीच संचालित होगी। यह ट्रेन 28 सितंबर से डूंगरगढ़, रतनगढ, चूरू, सादुलपुर, लोहारू, महेंद्रगढ़ और गुरुग्राम में ठहरेगी।

उदयपुर सिटी-चंडीगढ़ स्पेशल ट्रेन उद्घाटन वाले दिन राणाप्रतापनगर, मावली, कपासन, चंदेरिया, भीलवाड़ा, बिजयनगर, अजमेर, किशनगढ़, फुलेरा, जयपुर, गांधीनगर जयपुर, दौसा, बांदीकुई, राजगढ़, अलवर, रेवाड़ी, झज्जर, रोहतक, जींद, नरवाना, कैथल, कुरुक्षेत्र और अंबाला कैंट पर ठहरी। इस ट्रेन में कुल 22 कोच थे, जिनमें दो सेकंड टियर एसी, छह थर्ड टियर एसी, दो थर्ड एसी इकोनॉमी, छह स्लीपर, चार सामान्य, एक पावरकार और एक गार्ड डिब्बा शामिल थे। यह ट्रेन नियमित सेवा (20989/20990) शनिवार (27 सितंबर) से सुपरफास्ट एक्सप्रेस के रूप में उदयपुर-चंडीगढ़ के बीच चलेगी। यह ट्रेन उदयपुर सिटी से बुधवार और शनिवार को रवाना होगी। वहीं चंडीगढ़ से गुरुवार और रविवार को चलेगी। यह ट्रेन राणा प्रताप नगर, मावली, कपासन, चंदेरिया, भीलवाड़ा, अजमेर, किशनगढ़, फुलेरा, जयपुर, गांधीनगर जयपुर और दौसा में रूकेगी।

जमीन विवाद में महिला की गोली मारकर हत्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर।राजस्थान के दौसा जिले में बृहस्पतिवार की सुबह जमीन विवाद में 52 साल की एक महिला की गोली मारकर कथित तौर पर हत्या कर दी गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। बसवा थाना क्षेत्र में हुई इस घटना से आक्रोशित स्थानीय ग्रामीणों ने शव थाने के बाहर रखकर विरोध प्रदर्शन किया और आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग को लेकर अलवर-सिकंदरा राज्य राजमार्ग जाम कर दिया।

पुलिस ने बताया कि कैलाशी देवी और उनके परिवार के सदस्य सुबह बागड़ियों का बास गांव में अपने खेत पर गए थे। जहां जमीन से जुड़े पुराने विवाद को लेकर कुछ लोगों से झड़प हो गई। झड़प के दौरान आरोपी राजेंद्र ने कथित तौर पर गोली चला दी जो कैलाशी देवी को लगी और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। उनकी जेठानी बिदाम देवी (53) के सिर में गोली लगने से चोट आई और उन्हें गंभीर हालत में दौसा जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

झड़प में कैलाशी देवी के पति गोपाल समेत नौ अन्य घायल हो गए। उन्हें इलाज के लिए बसवा अस्पताल में भर्ती कराया गया। घटना के बाद आरोपी और उसके परिवार के सदस्य फरार हो गए। घटना से गुस्साए ग्रामीणों ने पीड़िता का शव सड़क पर रखकर अलवर-सिकंदरा राज्य राजमार्ग जाम कर दिया और धरना दिया। प्रदर्शन के कारण यातायात जाम हो गया और कई घंटे तक वाहन फंसे रहे।

पुलिस ने बताया कि कैलाशी देवी के पति गोपाल का पप्पूराम के साथ खेत की सीमा को लेकर विवाद था। आरोप है कि पप्पूराम के परिवार ने बुधवार रात सीमा के खंभे और बाड़ उखाड़ दी थी। जब गोपाल के परिवार ने बृहस्पतिवार सुबह बाड़ लगाने की कोशिश की तो हिंसक टकराव हो गया।

भजनलाल ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय को पुष्पांजलि अर्पित की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रखर राष्ट्रवादी चिंतक, एकात्म मानववाद एवं 'अंत्योदय' के प्रणेता पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर गुरुवार को उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की।

शर्मा ने सुबह मुख्यमंत्री निवास पर पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर पुष्प अर्पित करके उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किये।

उन्होंने पंडित उपाध्याय का स्मरण करते हुए कहा कि मां भारती की सेवा में अपना पूरा जीवन समर्पित करने वाले पंडित दीनदयाल उपाध्याय सनातन विचारधारा के समर्थक एवं एक महान नेता थे। उन्होंने समाज के अंतिम पंक्ति में बैठे व्यक्ति के कल्याण को अपने जीवन का ध्येय बनाया और इसी अंत्योदय को आधार मानकर हमारी सरकार जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित कर रही है।

शर्मा ने कहा कि समावेशी विकास एवं जनसमुदाय सशक्तीकरण की परिकल्पना को साकार करने के लिए पंडित उपाध्याय ने देश को 'एकात्म मानववाद' की विचारधारा प्रस्तुत की थी। ताकि मजबूत और सशक्त भारत का निर्माण हो। उनके दर्शन एवं विचारधारा अब भी देश-प्रदेश के लिए पथ प्रदर्शक हैं।

अन्त्योदय के सिद्धांतों का अनुसरण कर अंतिम छोर तक बैठे व्यक्ति को राहत पहुंचा रही केंद्र सरकार : मेघवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि एकात्म मानववाद के प्रणेता पंडित दीनदयाल उपाध्याय के सिद्धांतों को आत्मसात करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा अंत्योदय की योजनाओं का क्रियान्वयन किया जा रहा है। इनसे अंतिम छोर तक बैठे व्यक्ति को राहत मिल रही है। केंद्रीय मंत्री मेघवाल ने सेवा पखवाड़े के तहत गुरुवार को बीकानेर में सांसद सेवा केंद्र में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के दिव्यांग सशक्तीकरण विभाग द्वारा रूरल इलेक्ट्रिफिकेशन कॉरपोरेशन लिमिटेड (आरईसीएल) के सीएसआर मद के तहत दिव्यागजनों को सहायक उपकरण और यंत्र प्रदान करने तथा मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत अनुदान राशि के चेक वितरण के कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

मेघवाल ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय के जन्मदिन के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का राजस्थान दौरा है और इस दौरान प्रदेश को अनेक सौगातें दी जा रही हैं। यह प्रदेश और बीकानेर के लिए ऐतिहासिक हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर 17 सितंबर से 02 अक्टूबर तक सेवा पखवाड़ा आयोजित किया जा रहा है। इसके तहत देश भर में सेवा के अनेक संकल्प हाथ में लिए गए हैं। उन्होंने कहा कि इसी श्रृंखला में दिव्यांगजनों की सहायता के लिए यह कार्यक्रम किया गया है। उन्होंने एमिल्को द्वारा चयनित शेष दिव्यांगजनों और वृद्धजनों के लिए शिविर जल्दी आयोजित करने के निर्देश दिए।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में केंद्र प्रवर्तित योजनाओं के क्रियान्वयन का दायरा और आकार बढ़ाया गया गया है। आज प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पूर्व की तुलना में कई गुना अधिक पात्र लोगों को लाभ पूर्ण पारदर्शिता से मिल रहा है। भ्रष्टाचार समाप्त हो गया है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की हर योजना के केंद्र में गरीब और गरीब कल्याण है। खाजूवाला विधायक डॉ. विश्वनाथ मेघवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश और बीकानेर को अनेक सौगातें दी जा रही हैं। इसी श्रृंखला में दिव्यांगजनों को संबल पहुंचाना ऐतिहासिक काम है। श्रीडूंगरगढ़ विधायक ताराचंद सारस्वत ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के देश का नेतृत्व संभालने के बाद देश में बड़े सकारात्मक परिवर्तन हुए हैं। आज गांव-गांव तक आधारभूत सुविधाओं में वृद्धि हुई है।

कार्यक्रम के दौरान आरईसीएल द्वारा लगभग 40 लाख रुपए की लागत से एमिल्को के माध्यम से 272 दिव्यांगजनों को 508 सहायक अंग एवं उपकरण दिए गए। इनमें 34 मोटराइज्ड ट्राई साइकिल, 107 ट्राई साइकिल, 64 व्हील चेयर, 8 स्मार्ट फोन, 23 स्मार्ट केन, 128 वैशाखी, 7 रॉलेटर तथा 50 श्रवण यंत्र एवं उपकरण शामिल हैं। इसके साथ ही मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत 31 जोड़ों को इक्कीस-इक्कीस हजार रुपए के चैक प्रदान किए।

इससे पहले केंद्रीय मंत्री ने बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर और पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्र के समक्ष पुष्प अर्पित कर कार्यक्रम की शुरुआत की। उन्होंने शक्ति स्वरूपा कन्याओं का पूजन किया। इस दौरान बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, अधिकारी और आमजन आदि मौजूद रहे।

भ्रष्टाचार और लापरवाही बर्दाश्त नहीं : कुमावत

शहरी सेवा शिविर में ई-मित्र का लाइसेंस किया निरस्त

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जिले के प्रभारी मंत्री जोराराम कुमावत ने बुधवार नगर परिषद बालोतरा के वार्ड संख्या 11, 12 और 13 में आयोजित शहरी सेवा शिविर का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने भ्रष्टाचार और लापरवाही पर जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाते हुए त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए।

प्रभारी मंत्री को शिविर में शिकायत मिली कि एक ई-मित्र संचालक निर्धारित शुल्क से अधिक राशि वसूल कर रहा है। शिकायत को गंभीरता से लेते हुए कुमावत ने अतिरिक्त जिला कलक्टर भुवनेश्वर सिंह चौहान को तुरंत कार्रवाई के निर्देश दिए। आदेश की पालना में ई-मित्र संचालक पवन प्रजापत का लाइसेंस तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दिया गया।

प्रभारी मंत्री ने स्पष्ट कहा कि राज्य सरकार भ्रष्टाचार को लेकर जीरो टॉलरेंस पर कार्य कर रही है और किसी भी सूरत में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

निरीक्षण के दौरान कुमावत ने नगर परिषद को बकाया चल रहे 250 पट्टों की फाइलों की जांच करने और विधि सम्मत पाए जाने पर शहरी सेवा शिविरों की समाप्ति से पूर्व उनका वितरण सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने निर्देश दिए कि शहर की सभी रोड लाइटों की आवश्यक मरम्मत कराई जाए। जहाँ भी नई लाइट लगाने की जरूरत हो, वहाँ नवीन लाइटें लगाकर दिवाली से पूर्व शहर का हर कोना रोशन किया जाए।

प्रभारी मंत्री कुमावत ने रूडिप अधिकारियों को भी सीवरेज कार्य को लेकर सख्त निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सीवरेज का काम कार्ययोजना के साथ पूर्ण करें और पूरे शहर को खोदकर आमजन को परेशान करना बंद करें। उन्होंने निर्देश दिये कि प्रत्येक वार्ड में हर गली में कार्य पूर्ण करने के बाद ही आगामी कार्य शुरू किया जाए। साथ ही सीवरेज कार्य के कारण क्षतिग्रस्त हुई सड़कों को तुरंत प्रभाव से सही करवाने के निर्देश दिए।

भाजपा सरकार को अविलंब करनी चाहिए निकाय चुनावों की तारीखों की घोषणा : गहलोत

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा है कि राज्य की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार को अविलंब निकाय चुनावों की तारीखों की घोषणा करनी चाहिए। गहलोत ने अपने बयान में गुरुवार को यह बात कही। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि संविधान का अपमान करना भाजपा के डीएनए में है। जिस तरह से भाजपा सरकार शहरी निकाय के चुनावों को टाल रही है वो लोकतंत्र का गला घोंटने के बराबर है। उन्होंने कहा कि अब तो उच्च न्यायालय ने भी कह दिया है कि शहरी निकायों में चुनाव की तारीख घोषित करें।

भाजपा ने स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए तीन महीने का अभियान शुरू किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने स्वदेशी उत्पादों के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए तीन महीने लंबा राष्ट्रव्यापी अभियान शुरू किया। इस अभियान में इस बात पर ज़ोर दिया गया कि पार्टी भारत में निर्मित सभी वस्तुओं को स्वदेशी मानती है जिनमें विदेशी कंपनियों द्वारा निर्मित वस्तुएं भी शामिल हैं।

यह अभियान दीन दयाल उपाध्याय की जयंती पर शुरू हुआ और अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती पर समाप्त होगा। इसके तहत भाजपा सदस्य स्वदेशी उत्पादों के उपयोग के लिए घर-घर जाएंगे और इसे बढ़ावा देने के लिए कई कार्यक्रम आयोजित करेंगे। उपाध्याय पार्टी के प्रमुख विचारक थे, वहीं वाजपेयी प्रधानमंत्री रहे थे। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह ने संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि हर घर स्वदेशी आत्मनिर्भर भारत का केंद्र है, और पार्टी हर घर को अभियान से जोड़ने के लिए काम करेगी। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि तीन महीने के अभियान का उद्देश्य किसी उत्पाद का बहिष्कार करना नहीं है, बल्कि भारत में और भारतीयों द्वारा निर्मित उत्पादों को प्राथमिकता देना है। सिंह ने कहा कि स्वदेशी वस्तुओं को बढ़ावा देने के लिए 20,000 से अधिक आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान, 1,000 से अधिक मेले और 500 से अधिक संकल्प रथ आयोजित किए जाएंगे और सोशल मीडिया के माध्यम से जागरूकता फैलाने के लिए मशहूर हस्तियों और प्रतिभाओं को शामिल किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पार्टी युवाओं, महिलाओं और व्यापारियों की बैठकें भी आयोजित करेगी।

भाजपा नेता ने कहा, हम सब लोगों तक पहुंच कर स्वदेशी के लिए एक जन आंदोलन बनाना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि स्वदेशी आत्मनिर्भर भारत का मूल है।

सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के वोकल फॉर लोकल पर जोर देने से खादी उत्पादों की खरीद में तेजी आई है और मोबाइल विनिर्माण कारखानों की स्थापना हुई है, जबकि खिलौनों जैसे उत्पादों के आयात में कमी आई है।

'अन्त्योदय' की भावना को मूर्तरूप देने का अवसर है 'यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो' : आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 'यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो' को पंडित दीनदयाल उपाध्याय के 'अन्त्योदय' के विचार को मूर्त रूप देने का अवसर करार देते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि यह आयोजन उत्तर प्रदेश की समृद्धि, सांस्कृतिक विरासत और सामाजिक विविधता को भी प्रतिबिंबित कर रहा है।

आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा ग्रेटर नोएडा के 'इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट' में आयोजित 'यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो-3' का उद्घाटन किये जाने के बाद अपने संबोधन में कहा, ''आज अंत्योदय के प्रणेता पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती भी है। उन्होंने अंतिम पायदान पर मौजूद व्यक्ति के लिए 70 वर्ष पहले एक चिंतन दिया था और उसे मूर्त रूप में बदलने के लिए यह 'यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो' एक विशिष्ट अवसर है।'' उन्होंने कहा, ''यह अवसर केवल एक ट्रेड शो का नहीं बल्कि वर्तमान की उन आर्थिक चुनौतियों का सामना करने के साथ ही आत्मनिर्भर भारत के स्वदेशी मॉडल का और 'मेक इन इंडिया', 'मेड फॉर द वर्ल्ड' के प्रधानमंत्री मोदी के दृष्टिकोण का एक स्वरूप भी है।'' व्यापार मेले की विशेषताओं का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, ''यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो का यह तीसरा संस्करण है। मुझे बताते हुए प्रसन्नता हो रही है कि इस समारोह में 80 देशों के 550 से अधिक खरीदार भी भाग ले रहे हैं और इसमें 2250 से अधिक प्रतिभागी उत्तर प्रदेश के सभी 75 जिलों से सहभागिता कर रहे हैं। ऐसा करके वह ब्रांड यूपी का उत्सव भी मना रहे हैं। यह ट्रेड शो उत्तर प्रदेश की समृद्धि, सांस्कृतिक विरासत और सामाजिक विविधता को भी प्रतिबिंबित कर रहा है।'' उन्होंने कहा, ''फरवरी 2023 में उत्तर प्रदेश में 'ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट' आयोजित की गई थी जिसके जरिए 40 लाख करोड़ रुपए से अधिक के निवेश प्रस्ताव उत्तर प्रदेश को प्राप्त हुए थे। इनमें से 12 लाख करोड़ रुपए से अधिक के प्रस्ताव अब तक जमीनी धरातल पर उतारा गया है। कुछ इकाइयों में कुछ दिनों में उत्पादन भी प्रारंभ हो चुका है और पांच लाख करोड़ रुपए की परियोजनाओं को इसी साल नवंबर में शिलान्यास के बाद शुरू करने की तैयारी की जा रही है।'' आदित्यनाथ ने कहा कि यह अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला उत्तर प्रदेश को देश और दुनिया के सामने प्रदर्शित करने का एक बेहतरीन मंच है। उन्होंने वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) व्यवस्था में हाल में किये गये सुधारों के लिये प्रधानमंत्री मोदी को धन्यवाद भी दिया।

निरीक्षण के दौरान मदरसे के शौचालय में बंद पायी गयीं 40 नाबालिग छात्राएं

बहराइच (उप्र)/भाषा। बहराइच जिले की पयागपुर तहसील क्षेत्र की एक तीन मंजिला इमारत में संचालित कथित अवैध मदरसे में निरीक्षण के दौरान उसके शौचालय में 40 नाबालिग बच्चियां संदिग्ध हालात में बंद पायी गयीं। अल्पसंख्यक कल्याण विभाग ने मदरसे को तत्काल बंद कराने तथा बच्चियों को सुरक्षित उनके घर भिजवाने के निर्देश दिए हैं। पयागपुर तहसील के उप जिलाधिकारी अश्विनी कुमार पांडे ने बताया कि पयागपुर तहसील के पहलवारा गांव में तीन मंजिला भवन में अवैध मदरसा संचालित होने की शिकायत पर वह अपनी टीम के साथ बुधवार को उसका निरीक्षण करने गये थे। उन्होंने बताया, ''मदरसा संचालकों ने पहले तो हमें ऊपर जाने से रोका। पुलिस बल की मौजूदगी में जब हमने मदरसे में प्रवेश किया तो छत पर बने शौचालय का दरवाजा बंद मिला। महिला पुलिस बल ने दरवाजा खुलवाया तो शौचालय में छिपी 40 बच्चियां एकएक कर बाहर आने लगीं। सभी की उम्र नौ से 14 वर्ष के बीच है। बच्चियां सहमी हुई थीं और कुछ बता नहीं पा रही थीं।''

हमें बराबरी चाहिए थी, मंत्री पद नहीं : ओवैसी

किशनगंज (बिहार)/भाषा। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने बृहस्पतिवार को राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के अध्यक्ष लालू प्रसाद और उनके पुत्र तेजस्वी यादव पर आरोप लगाया कि बिहार विधानसभा चुनाव से पहले गठबंधन को लेकर उनकी पार्टी की ओर से किए गए आग्रहों पर उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया। उन्होंने कहा कि एआईएमआईएम ने केवल बराबरी का दर्जा मांगा था, मंत्री पद की कोई इच्छा जाहिर नहीं की थी।

हैदराबाद के सांसद ओवैसी किशनगंज जिले में एक रैली को संबोधित कर रहे थे। यह रैली उनके चार दिवसीय ''सीमांचल न्याय यात्रा'' का हिस्सा है। सीमांचल क्षेत्र में अच्छी खासी मुस्लिम आबादी है।

ओवैसी ने कहा, ''हमारे बिहार प्रदेश अध्यक्ष अख्तरुल इमान ने लालू प्रसाद और तेजस्वी यादव को तीन पत्र लिखकर 'इंडिया' गठबंधन में शामिल होने की इच्छा जताई थी। उन्होंने कहा कि हमने केवल छह सीट की मांग की थी, हमें किसी मंत्री पद की चाहत नहीं थी।''

ओवैसी ने कहा , ''हमारी केवल यही मांग थी कि हमें बराबरी का दर्जा मिले, गुलाम की तरह व्यवहार न किया जाए। लेकिन अब तक उनकी ओर से कोई जवाब नहीं आया।''

'वर्ल्ड फूड इंडिया' सम्मेलन में एक लाख करोड़ रु. के निवेश प्रस्ताव आने की उम्मीद : पासवान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री चिराग पासवान ने बृहस्पतिवार को कहा कि 'वर्ल्ड फूड इंडिया 2025' शिखर सम्मेलन के दौरान खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में एक लाख करोड़ रुपए से अधिक के निवेश प्रस्ताव आने की उम्मीद है।

पासवान ने 'वर्ल्ड फूड इंडिया 2025' शिखर सम्मेलन की शुरुआत के पहले संवाददाताओं के साथ चर्चा में कहा कि 65,000 करोड़ रुपए के समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर पहले ही हस्ताक्षर हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि एमओयू वाली कंपनियों में रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स और कोका-कोला भी शामिल हैं। ''इस सम्मेलन के दौरान हम एक लाख करोड़ रुपए से अधिक के एमओयू पर हस्ताक्षर होने की उम्मीद कर रहे हैं।'' इस अवसर पर खाद्य प्रसंस्करण उद्योग से संबंधित मुद्दों पर एक सीईओ गोलमेज सम्मेलन भी हुआ। इसमें सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी भी मौजूद थे। पासवान ने कहा कि कंपनियों के सीईओ जीएसटी दरों को तर्कसंगत बनाए जाने से बेहद संतुष्ट हैं। उन्होंने याद दिलाया कि पिछले साल उद्योग ने इस मुद्दे को प्रमुखता से उठाया था। 'वर्ल्ड फूड इंडिया 2025' शिखर सम्मेलन का आयोजन प्रगति मैदान स्थित 'भारत मंडपम' में हो रहा है। इसमें रूस के उप प्रधानमंत्री दिमित्री पत्रिशेव सहित कई अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं। करीब एक लाख वर्गमीटर में फैला यह आयोजन भारत में खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र का अब तक का सबसे बड़ा सम्मेलन है। इसमें 21 देशों की भागीदारी हो रही है।

राष्ट्रपति ने वृन्दावन के मंदिरों में की पूजा-अर्चना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मथुरा (उप्र)/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू बृहस्पतिवार को वृन्दावन के एक दिवसीय दौरे पर पहुंची और विभिन्न मंदिरों में दर्शन-पूजन किया।

राष्ट्रपति ने अपने दौरे के दौरान ठाकुर बांकेबिहारी के दर्शन किये और निधिवन पहुंच राधारानी की प्राकट्य स्थली निहारी एवं स्वामी हरिदास की समाधि पर पुष्पांजलि अर्पित कर उनके प्रति सम्मान प्रकट किया। मुर्मू ने सुदामा कुटी में संस्थापक स्वामी सुदामा दास महाराज की जन्मशती पर उनकी भजन स्थली का लोकार्पण किया। इस दौरान राष्ट्रपति के साथ आयीं उनकी पुत्री इतिश्री मुर्मु, दामाद और दोनों नाती भी मौजूद रहे। राष्ट्रपति विशेष ट्रेन से अपराह्न 10 बजे मथुरा के वृन्दावन रोड स्टेशन पहुंची। उत्तर प्रदेश के कैबिनेट मंत्री चौधरी लक्ष्मी नारायण की अगुवाई में एक दल ने उनका स्वागत किया।

राष्ट्रपति सबसे पहले ठाकुर बांकेबिहारी मंदिर पहुंचीं, जहां मंदिर की समिति की ओर से अध्यक्ष अशोक कुमार एवं सदस्य दिनेश गोस्वामी ने उनका स्वागत किया। यहां राजभोग सेवाधिकारी शैलेंद्र गोस्वामी, गौरव गोस्वामी एवं फ्रैंकी गोस्वामी ने उन्हें देहरी पूजन एवं अष्टक पूजन कराया। राष्ट्रपति ने मंदिर में भेंट स्वरूप एक लिफाफा चढाया। इस मौके पर मंदिर को देश-विदेश से मंगाए गए विशेष फूलों से सजाया गया था और प्रांगण में कन्नौज से मंगाए गए गुलाब के इत्र का छिड़काव किया गया था, जिसकी खुशबू से सम्पूर्ण मंदिर परिसर महक उठा था।

इस बीच, पिछले अनुभवों को देखते हुए जिला प्रशासन ने राष्ट्रपति एवं उनके प्रियजनों को बंदरों की चपेट में आने से बचाने के लिए मंदिर एवं आसपास की छतों पर वन विभाग के लोगों को गुलेल तथा 'एयरगन' देकर तैनात किया था, जिससे कोई भी अप्रिय घटना नहीं हुई। राष्ट्रपति इसके बाद निधिवन पहुंचीं। निधिवन में ही राधारानी की सुंदर प्रतिमा उनके भक्त स्वामी हरिदास जी को प्राप्त हुई थी। इसी वन में उनकी समाधि भी स्थित है।

महाराष्ट्र सरकार हिंदू वोटों के समर्थन से चुनी गई : नितेश राणे

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के मंत्री नितेश राणे ने एक और विवाद को भड़काते हुए कहा कि राज्य में भाजपा नेतृत्व वाली महायुति सरकार एक हिंदुत्ववादी सरकार है, जो हिंदू मतों के समर्थन से चुनी गई है, और गोल टोपी पहनने वाले लोगों (मुस्लिमों) ने इस सरकार को वोट नहीं दिया है। राणे ने बुधवार को मुंबई के मानखुर्द इलाके में सकल हिंदू समाज के दुर्गा पंडाल के दौरे के दौरान कहा कि त्योहार के समय किसी को भी हिंदू देवी-देवताओं का अपमान करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

राणे ने कहा, ''यह सरकार हिंदुओं के मतों से चुनी गई है...जो लोग गोल टोपी पहनते हैं उन्होंने इसे वोट नहीं दिया है।'' मानखुर्द में रविवार रात देवी दुर्गा की मूर्ति को कथित तौर पर अपवित्र किए जाने के बाद तनाव उत्पन्न हुआ, जिसके कारण दो समूहों के बीच झड़प हो गई। कार्यक्रम के दौरान महाआरती में शामिल हुए भाजपा नेता ने राज्य के शांतिपूर्ण माहौल को बिगाड़ने के खिलाफ चेतावनी दी। उन्होंने कहा, आप अपने त्योहार शांतिपूर्वक मनाएं, हम अपने त्योहार मनाएंगे। हमे पूर्वाग्रह की नजर से मत देखों।

सागर जिले के जैसीनगर का नाम अब 'जय शिवनगर' होगा : मोहन यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सागर (मप्र)/भाषा। मध्यप्रदेश के बुंदेलखंड स्थित सागर जिले की जैसीनगर तहसील का नाम अब 'जय शिवनगर' होगा। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने बृहस्पतिवार को यह घोषणा की।

मुख्यमंत्री ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विचारक पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती के अवसर पर 'अन्न सुरक्षा संकल्प समारोह' को संबोधित करते हुए कहा, ''जैसीनगर का नाम 'जय शिवनगर' करने की मैं घोषणा करता हूं।'' उन्होंने कहा कि जैसे ही इस बारे में प्रस्ताव आएगा, औपचारिक प्रक्रिया पूरी की जाएगी। उन्होंने जैसीनगर को नगर परिषद का दर्जा देने की भी घोषणा की। जैसीनगर सुरखी विधानसभा क्षेत्र का हिस्सा है।

यादव ने इस दौरान लगभग 200 रुपए करोड़ की लागत के विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण भी किया तथा 'सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन पोर्टल' की शुरुआत की। इसके तहत पाइप लाइन बिछाकर घरों तक पाइप वाले प्राकृतिक गैस कनेक्शन दिए जाएंगे। उन्होंने कहा, ''सिटी पोर्टल के माध्यम से नगर निगम, नगर पालिका, नगर परिषद, उसके बाद धीरे-धीरे बड़े-बड़े गांव तक गैस के कनेक्शन घर-घर मिलेंगे। एकल खिड़की पोर्टल के माध्यम से कंपनियों को घर घर कनेक्शन देने का काम होगा।'' उन्होंने कहा कि बुंदेलखंड के लोग जो मांगेंगे, सरकार वह सब देने के लिए तैयार है। मुख्यमंत्री ने लाड़ली बहना योजना को लेकर भी घोषणा की और कहा कि भैया दूज से लाडली बहनों को 1500 रुपए प्रति माह दिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार के पास बहनों को आर्थिक सहयोग देने के लिए पर्याप्त संसाधन हैं और यह योजना लगातार जारी रहेगी। यादव ने कहा कि गोवंश संरक्षण को लेकर भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार ने 2004 के बाद गोवंश की सुरक्षा के लिए कड़े कानून बनाए हैं।

मिजोरम के तीन जिलों में चूहों के प्रकोप के बाद अलर्ट जारी

आइजोल/भाषा। मिजोरम सरकार ने तीन जिलों में चूहों के प्रकोप की सूचना मिलने के बाद अकाल जैसी स्थिति को रोकने के लिए अलर्ट जारी किया है। कृषि विभाग की एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। उप निदेशक (पौधा संरक्षण) लालरिंडिकी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि चूहों के प्रकोप को 'थिंगटम' या खास प्रजाति के बांस में फूल आने का लक्षण माना जा रहा है, जो 46 वर्षों के बाद 2025 में खिलेगा। ममित ज़िले के कई गांवों और लुंगलेई ज़िले के दो गांवों में चूहों के प्रकोप की सूचना मिली है। उन्होंने बताया कि सैतुअल जिले के लीलाक गांव में भी चूहों के आक्रमण की सूचना मिली है। उन्होंने बताया कि विस्तृत रिपोर्ट का इंतज़ार है।

लालरिंडिकी ने बताया कि 800 झूम किसान, जो मुख्य रूप से चावल और सोयाबीन उगाते हैं, चूहों के प्रकोप से प्रभावित हुए हैं। उन्होंने बताया कि झूम खेती के अंतर्गत आने वाली 2,500 हेक्टेयर भूमि में से अब तक लगभग 158 हेक्टेयर भूमि पर चूहों का आक्रमण हो चुका है।

लद्दाख हिंसा भाजपा की वादाखिलाफी का नतीजा : अखिलेश

लखनऊ/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने केंद्रशासित प्रदेश लद्दाख को पूर्ण राज्य का दर्जा देने की मांग को लेकर हुए हिंसक प्रदर्शन को केंद्र में सत्तारूढ़ भाजपा की वादाखिलाफी का नतीजा बताया है। यादव ने कहा कि चीन सीमा से सटे इस संवेदनशील प्रदेश की सरहदों को और सुरक्षित करने के लिये सरकार को वहां की जनता की बात माननी चाहिये। सपा प्रमुख ने यहां प्रेसवार्ता में लद्दाख में प्रदर्शनकारियों द्वारा भाजपा का कार्यालय फूंक दिये जाने के बारे में पूछे जाने पर कहा,''हम लोग हिंसा के पक्षधर नहीं हैं। भाजपा के लोगों को भी हिंसा को बढ़ावा नहीं देना चाहिये। लेह-लद्दाख के नेता, वहां के काउंसिल के लोग और जनप्रतिनिधियों को भाजपा के लोगों ने आश्वासन दिया था कि उन्हें राज्य का दर्जा और शक्तियां वापस दी जाएगीं। याद रखिए मुनाफा कमाना ही भ्रष्टाचार नहीं है, बल्कि नेताजी (सपा संस्थापक मुलायम सिंह) और समाजवादी लोग कहते थे कि वादाखिलाफी भी भ्रष्टाचार है। भाजपा ने वही किया, उसी का परिणाम है कि उन्हीं का कार्यालय जला दिया गया।''

फलस्तीन मुद्दे पर भारत को नेतृत्व दिखाना चाहिए : सोनिया गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी ने बृहस्पतिवार को फलस्तीन के मुद्दे पर मोदी सरकार के रुख की तीखी आलोचना की और कहा कि अब भारत को नेतृत्व का परिचय देना चाहिए। उन्होंने यह आरोप भी लगाया कि सरकार की प्रतिक्रिया तथा गहरी चुप्पी और मानवता एवं नैतिकता, दोनों का परित्याग है।

कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष ने अंग्रेजी दैनिक 'द हिंदू' के लिए लिखे गए एक लेख में कहा कि सरकार के कदम मुख्य रूप से भारत के संवैधानिक मूल्यों या उसके सामरिक हितों के बजाय इज़राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की व्यक्तिगत मित्रता से प्रेरित प्रतीत होते हैं।

सोनिया गांधी ने कहा, व्यक्तिगत कूटनीति की यह शैली कभी भी स्वीकार्य नहीं है और यह भारत की विदेश नीति का मार्गदर्शक नहीं हो सकती। दुनिया के अन्य हिस्सों में – खासकर अमेरिका में ऐसा करने के प्रयास हाल के महीनों में सबसे दुखद और अपमानजनक तरीके से विफल हुए हैं। उन्होंने इज़राइल-फ़लस्तीन संघर्ष पर पिछले कुछ महीनों में तीसरी बार लेख लिखा है, जिनमें उन्होंने हर बार की तरह इस मुद्दे पर मोदी सरकार के रुख की तीखी आलोचना की है।

सोनिया गांधी ने लेख में कहा कि फ़्रखऊांस, फ़लस्तीनी राष्ट्र को मान्यता देने में ब्रिटेन, कनाडा, पुर्तगाल और ऑस्ट्रेलिया के साथ शामिल हो गया है। उन्होंने इस बात का उल्लेख किया कि संयुक्त राष्ट्र के 193 सदस्य देशों में से 150 से अधिक देशों ने अब ऐसा कर दिया है।

कांग्रेस की शीर्ष नेता ने इस बात पर ज़ोर दिया कि भारत इस मामले में अग्रणी रहा है, जिसने फ़लस्तीन मुक्ति संगठन (पीएलओ) को वर्षों के समर्थन के बाद 18 नवंबर, 1988 को औपचारिक रूप से फ़लस्तीनी राष्ट्र को मान्यता दी थी। उन्होंने उदाहरण देते हुए बताया कि कैसे भारत ने आज़ादी से पहले ही दक्षिण अफ्रीका में रंगभेद का मुद्दा उठाया था और अल्जीरियाई स्वतंत्रता संग्राम (1954-62) के दौरान, भारत एक स्वतंत्र अल्जीरिया के लिए सबसे मज़बूत आवाज़ों में से एक था। उन्होंने बताया कि 1971 में भारत ने तत्कालीन पूर्वी पाकिस्तान में नरसंहार को रोकने के लिए दृढ़ता से हस्तक्षेप किया, जिससे आधुनिक बांग्लादेश का जन्म हुआ। कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष ने कहा कि इज़राइल-फ़लस्तीन के महत्वपूर्ण और संवेदनशील मुद्दे पर भी, भारत ने लंबे समय से एक संवेदनशील, लेकिन सैद्धांतिक रुख़ अपनाया है और शांति और मानवाधिकारों की रक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता पर ज़ोर दिया है। सोनिया गांधी ने कहा कि भारत को फलस्तीन के मुद्दे पर नेतृत्व दिखाने की ज़रूरत है, जो अब न्याय, पहचान, सम्मान और मानवाधिकारों की लड़ाई है।

हापुड़ में डॉक्टरों ने नशे की लत के मरीज के पेट से पेन, टूथब्रश और चम्मच निकाले

हापुड़ (उप्र)/भाषा। हापुड़ के एक निजी अस्पताल के डॉक्टरों ने नशे की लत का इलाज करा रहे एक व्यक्ति के पेट से दो पेन, 19 टूथब्रश और 29 चम्मच निकाले हैं, जिससे उसकी जान बच गई। एक अस्पताल ने यह जानकारी दी।

देवनंदनी अस्पताल के डॉक्टरों का कहना है कि बुलंदशहर निवासी और वहां एक नशा मुक्ति केंद्र में भर्ती सचिन नामक मरीज को पेट में तेज दर्द की शिकायत पर इस अस्पताल में लाया गया था। अस्पताल के अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को बताया कि अल्ट्रासाउंड के बाद डॉक्टरों ने उसके पेट में कुछ असामान्य चीजें देखीं। अस्पताल के अध्यक्ष डॉ. श्याम कुमार और डॉ. संजय राय ने हाल में ऑपरेशन करने वाली सर्जिकल टीम का नेतृत्व किया। डॉ. कुमार ने कहा,'' शल्य प्रक्रिया के दौरान, हमें दो पेन, 19 टूथब्रश और 29 चम्मच मिले। मरीज की जान बच गई।''

अश्विन ने सिडनी थंडर से करार किया, बीबीएल में खेलने वाले भारत के पहले बड़े क्रिकेटर बने

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सिडनी/भाषा। अनुभवी आफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन बृहस्पतिवार को बिग बैश लीग (बीबीएल) के आगामी सत्र के लिए सिडनी थंडर से जुड़ गए और इस टूर्नामेंट में भाग लेने वाले भारत के पहले बड़े क्रिकेटर बने ।

हाल में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट और इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) को अलविदा कहने वाले 39 वर्ष के अश्विन 14 दिसंबर से 25 जनवरी तक होने वाले बीबीएल के दूसरे हाफ में उपलब्ध होंगे । 'क्रिकेट डॉट कॉम डॉट एयू' ने अश्विन के हवाले से कहा, ''सिडनी थंडर मेरे इस्तेमाल के बारे में स्पष्ट थे। उनके साथ मेरी बातचीत बहुत अच्छी रही, और हम मेरी भूमिका को लेकर पूरी तरह सहमत हैं। '' उन्होंने कहा, ''मुझे डेव वार्नर का खेल बहुत पसंद है। मैं टीम के लिए प्रदर्शन करने के लिए बेताब हूं। ''

सिडनी थंडर के महाप्रबंधक ट्रेंट कोपलैंड ने इसे बीबीएल के इतिहास में सबसे बड़ा करार बताया। कोपलैंड ने कहा, ''मुझे लगता है कि यह बीबीएल के इतिहास में यकीनन सबसे बड़ा करार है, पहला महान भारतीय और खेल का आइकॉन। वह बहुत प्रतिस्पर्धी खिलाड़ी है। '' अश्विन बीबीएल में खेलने वाले पहले भारतीय पुरुष क्रिकेटर होंगे। भारत में जन्में उन्मुक्त चंद और निखिल चौधरी विदेश में प्रवास के बाद बीबीएल में खेले थे। अश्विन आईएलटी 20 नीलामी में भी शामिल हुए हैं । चार जनवरी को लीग के खत्म होने के बाद वह बीबीएल के दूसरे हाफ में थंडर से जुड़ेंगे। बीसीसीआई के सक्रिय खिलाड़ी विदेशी लीग नहीं खेल सकते जब तक कि वह राष्ट्रीय टीम या आईपीएल टीम से जुड़े हों । अश्विन ने भारत के लिये 537 टेस्ट विकेट लिये हैं और आईपीएल में 221 मैचों में 187 विकेट चटकाये हैं ।

सुविचार

हर दिन एक नया अवसर है खुद को बेहतर बनाने का। सकारात्मक सोचो, सकारात्मक रहो।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

अराजकता का अखाड़ा न बने सोशल मीडिया

कर्नाटक उच्च न्यायालय द्वारा एक मशहूर सोशल मीडिया कंपनी की याचिका को खारिज करते हुए की गई यह टिप्पणी कि 'हर संप्रभु राष्ट्र सोशल मीडिया को विनियमित करता है और भारत के इस कदम को किसी भी संवैधानिक कल्पना के दायरे में अवैध नहीं ठहराया जा सकता', ऐसी अन्य कंपनियों के लिए एक संदेश है। इन कंपनियों को भारत में व्यापार करना है, अपने उपयोगकर्ताओं की संख्या बढ़ानी है, लेकिन नियम अपने चलाने हैं! ऐसा कैसे चलेगा? किसी भी कंपनी को अभिव्यक्ति की आज़ादी के नाम पर कुछ भी चलाने की छूट नहीं दी जा सकती। डेढ़ दशक पहले जब भारत में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स का विस्तार होना शुरू हुआ था, तब लोगों का मानना था कि ये दुनिया को जोड़ने का सबसे बड़ा माध्यम साबित होंगे। बेशक सोशल मीडिया ने एक हद तक यह काम बखूबी किया। जल्द ही इन प्लेटफॉर्म्स की खामियां सामने आने लगीं और विभिन्न मुद्दों को लेकर सरकारों के साथ इनका टकराव होने लगा। प्राय: ये कंपनियां तर्क देती हैं कि हम तो एक प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराते हैं, कोई उपयोगकर्ता यहां क्या डालता है, यह उसके विवेक पर निर्भर करता है। हालांकि जब सरकार किसी आपत्तिजनक सामग्री को हटाने के लिए कहती है तो ये अपनी प्रतिबद्धताओं का हवाला देते हुए आनाकानी करने लगती हैं। सोशल मीडिया पर ऐसे कई अकाउंट हैं, जिन पर लोगों ने भड़काऊ, अभद्र और आपत्तिजनक सामग्री डाल रखी है। जब उनकी शिकायत की जाती है तो ये कंपनियां तरह-तरह के नियम गिनाते हुए न तो वह सामग्री हटाती हैं और न ही उन अकाउंटस तक पहुंच को अवरुद्ध करती हैं। एक कंपनी तो अभिव्यक्ति की इतनी बड़ी पैरोकार होने का दावा करती है कि घोर अश्लील सामग्री भी नहीं हटाती। शिकायत करने वाले को प्लेटफॉर्म की ओर से नियमों का पुलिंदा भेज दिया जाता है, जिसकी भाषा समझ से परे होती है।

सोशल मीडिया ने फेक न्यूज को इतनी हवा दी है कि अब लोग सही ख़बर पर भी शक करने लगे हैं। यहां ऑनलाइन ठगी के अड्डे धड़ल्ले से चलते हैं। कभी लॉटरी निकलने, कभी पार्ट-टाइम जॉब, तो कभी धन दोगुना-चौगुना करने वाली फर्जी स्कीमों के दावे इनके जरिए खूब किए जाते हैं। इन कंपनियों को ऑनलाइन अपराधों पर नजर रखते हुए ऐसी मजबूत प्रणाली विकसित करनी चाहिए थी, जो उपयोगकर्ताओं के धन और निजता की सुरक्षा करे, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। पाकिस्तानी और चीनी ठगों ने इन प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल करते हुए कई भारतीय नागरिकों की कमाई उड़ा ली, उन्हें हफ्तों ब्लैकमेल करते रहे। इन अकाउंटस के असामान्य व्यवहार को देखते हुए कंपनियों को तुरंत कार्रवाई करनी चाहिए। ये कंपनियां जब शक्तिशाली हो जाती हैं तो सरकारों को खुलकर चुनौती देती हैं। कई देशों में इन पर हिंसा, उपद्रव और रक्तपात के जरिए सत्ता परिवर्तन कराने के आरोप लग चुके हैं। वास्तव में सोशल मीडिया उस तलवार की तरह है, जो दूसरों के साथ ही इसे चलाने वाले को भी नुकसान पहुंचा सकती है। ऐसे अनगिनत उदाहरण हैं, जब सोशल मीडिया पर प्रसिद्धि किसी व्यक्ति के लिए बड़ी मुसीबत बन गई। इन प्लेटफॉर्म पर अभिव्यक्ति की आज़ादी जरूर हो, लेकिन वह कानून के दायरे में हो। आज़ादी अपने साथ कुछ फ़र्ज़ भी लेकर आती है। उन्हें निभाना जरूरी है। हमें इन विदेशी प्लेटफॉर्म पर निर्भरता कम करनी चाहिए। भारत के पास अपना सर्च इंजन, अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म और मैसेजिंग ऐप होने ही चाहिएं। विदेशी कंपनियों पर निर्भरता के कई खतरे हैं, जिनसे हमें सावधान रहना चाहिए।

ट्वीटर टॉक

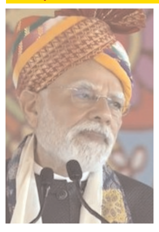

हमारा एक और लक्ष्य है आत्मनिर्भर भारत। हम किसी और पर निर्भर न रहें, यह बहुत आवश्यक है। मैं आप सभी से आग्रह करूंगा, खासकर देश के दुकानदारों से, कि हम जो बेचेंगे वह स्वदेशी ही हो। मैं देशवासियों से भी आग्रह करूंगा कि हम जो खरीदेंगे वह भी स्वदेशी ही हो।

-नरेन्द्र मोदी

यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा आज राजस्थान में छ1,22,000 करोड से अधिक की परमाणु ऊर्जा, अक्षय ऊर्जा, विद्युत तथा प्रदेश से जुड़ी विकास परियोजनाओं का शिलान्यास व लोकार्पण और हरी झंडी दिखाकर 3 ट्रेनों का शुभारंभ किया गया।

-दिया कुमारी

आज जोधपुर में देश के दूसरे सबसे बड़े अक्षरधाम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा है। मैं सभी श्रद्धालुओं को इसके लिए बधाई देता हूं।28 जून 2025 को महंत प्रसादगृह के उद्घाटन अवसर पर आयोजित महापूजा में शामिल होने का अवसर प्राप्त हुआ था।

-अशोक गहलोत

प्रेरक प्रसंग

धैर्य से कामयाबी की मिसाल

डॉ. बेंजामिन कार्सन, जो न्यूरोसर्जरी विभाग में कार्यरत थे, के सामने एक असाधारण और अत्यंत जटिल चुनौती आई। उन्हें दो ऐसे जुड़वां बच्चों का ऑपरेशन करना था, जिनके मस्तिष्क खोपड़ी के ऊपरी हिस्से से जुड़े हुए थे। यह ऑपरेशन चिकित्सा विज्ञान के इतिहास में अब तक का सबसे जटिल न्यूरोसर्जिकल कार्य माना जा रहा था। किसी भी छोटी-सी चूक से दोनों की जान जा सकती थी। ऑपरेशन से पहले टीम के सभी सदस्य आशंकित थे। कुछ ने कहा, 'यह असंभव है। कोई भी डॉक्टर यह अकेले नहीं कर सकता।' लेकिन डॉ. कार्सन ने शांत भाव से उत्तर दिया, 'हम यह कर सकते हैं। यदि हम योजना के अनुसार आगे बढ़ें और धैर्य बनाए रखें, तो सफलता संभव है।' ऑपरेशन कुल 22 घंटे तक चला। हर क्षण चुनौतीपूर्ण था, हर निर्णय अहम। कार्सन ने न केवल तकनीकी कौशल दिखाया, बल्कि टीम का मनोबल भी ऊंचा बनाए रखा। उन्होंने लगातार टीम के साथ समन्वय रखते हुए निर्णय लिए और बच्चों की स्थिति पर बारीकी से नज़र रखी। अंततः दोनों बच्चों को सुरक्षित रूप से अलग कर लिया गया।

सामयिक

प्रतिभा पलायन को रोकने का बड़ा मौका

प्रो. महेश चंद गुप्ता

देश के युवाओं को पिछले सत्तर साल में जो आधारभूत ढांचा, रिसर्च एंड डवलपमेंट की सुविधाएं, वेतन और अन्य सुविधाएं देनी चाहिए थीं, अगर वह दी गई होतीं तो प्रतिभा पलायन की स्थिति न बनती।। हमारा देश तेजी से आगे बढ़ रहा है लेकिन डिजिटल और तकनीकी क्षेत्र में हम अब भी कमजोर हैं। और तो और, हमारे पास अपना भरोसेमंद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म नहीं है। हम ई-मेल सेवा जैसी बुनियादी सुविधा के लिए भी विदेशी कंपनियों पर निर्भर हैं। हमें कम्प्यूटर, मोबाइल फोन और चिप तकनीक में आत्म निर्भरता हासिल नहीं हुई है।आज भी हम रक्षा हथियारों व रक्षा उपकरणों, यात्री विमानों, लड़ाकू विमानों आदि के लिए दूसरों पर निर्भर हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एच-1बी वीजा फीस में बेतहाशा बढ़ोतरी कर दी है। पहले जहां यह फीस लगभग 80 हजार रुपये थी, वहीं अब इसे 80 लाख रुपये तक बढ़ा दिया गया है। स्वाभाविक है कि अब पहले जितनी संख्या में भारतीय युवा अमेरिका नहीं जा पाएंगे। इस फैसले से दुनिया भर में उथल-पुथल मची है, जिसका फायदा उठाने की कोशिश चीन कर रहा है। उसने 'के वीजा' नामक नई श्रेणी की घोषणा की है जिसके तहत वह दुनिया भर के युवा वैज्ञानिकों और तकनीकी प्रोफेशनल्स को अपने यहां आकर्षित करना चाहता है। यह वीजा शिक्षा, संस्कृति, विज्ञान तकनीक और व्यवसाय के क्षेत्र में अवसर उपलब्ध कराएगा।

भारत के लिहाज से यह स्थिति एक बड़ी चुनौती और अवसर दोनों लेकर आई है। चुनौती इसलिए क्योंकि अमेरिकी दरवाजे बंद होने के बाद चीन नए अवसर देकर हमारी प्रतिभाओं को अपने यहां खींच सकता है। अवसर इसलिए है क्योंकि यह भारत के लिए प्रतिभा पलायन रोकने का सुनहरा मौका है। अब जरूरत इस बात की है कि सरकार, उद्योग जगत और कॉर्पोरेट सेक्टर मिलकर ऐसे वातावरण का निर्माण करें जहां हमारे युवा देश में रहकर ही अपने सपनों को साकार कर सकें। भारत हमेशा से ही शिक्षा और प्रतिभा के मामले में समृद्ध रहा है पर प्रतिभा पलायन हमारी बड़ी समस्या है। हर साल लाखों छात्र-छात्राएं इंजीनियरिंग, मेडिकल, मैनेजमेंट और रिसर्च के क्षेत्र में पढ़ाई पूरी करते हैं लेकिन अफसोस है कि उनमें से बड़ी संख्या में युवा विदेशों का रुख कर लेते हैं। इसका सबसे बड़ा कारण यह है कि भारत में शोध के लिए पर्याप्त संसाधन उपलब्ध नहीं होते हैं, रोजगार के अवसर सीमित हैं और जो अवसर उपलब्ध हैं, उनमें योग्य प्रतिभा को सम्मान और सुरक्षा का अभाव है।

डॉक्टर, इंजीनियर, वैज्ञानिक और आईटी प्रोफेशनल विदेश जाकर वहां की अर्थव्यवस्था को मजबूत कर रहे हैं जबकि उनकी प्रतिभा का लाभ भारत को मिलना चाहिए। एक तरफ हम युवाओं की शिक्षा पर करोड़ों रुपये खर्च करते हैं, दूसरी ओर वे अवसरों की कमी के कारण देश छोड़ जाते हैं। यह भारत के विकास के लिए बड़ी हानि है। ट्रंप का वीजा फीस वृद्धि का कदम दुनिया के कई देशों के लिए चिंता का विषय हो सकता है लेकिन मुझे लगता है कि भारत को इसे सकारात्मक रूप में देखना चाहिए। जब अमेरिका में वीजा इतना महंगा हो गया है कि आम युवा वहां नहीं जा पाएंगे तो इससे स्वाभाविक रूप से प्रतिभा पलायन पर अंकुश लगेगा। यह स्थिति भारत के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। अब सवाल यह है कि क्या इस मौके का उपयोग भारत कर पाएगा? अगर सरकार और उद्योग जगत ने युवाओं के लिए बेहतर माहौल तैयार किया तो वे भारत में ही रहकर काम करना पसंद करेंगे लेकिन अगर ऐसा नहीं हुआ तो यह संभावना है कि निराश युवा चीन की ओर आकर्षित हो जाएं।

चीन ने हालात को भांपते हुए तेजी से 'के वीजा' का विकल्प प्रस्तुत किया है। इस वीजा के माध्यम से वह दुनिया भर की प्रतिभाओं को अपने यहां शिक्षा, रिसर्च और बिजनेस में अवसर देने की योजना बना रहा है। ऐसा करके वह वैश्विक विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में नेतृत्व के अपने लक्ष्य को पूरा करने की तमन्ना रखता है। यदि भारतीय युवा अमेरिका के बजाय चीन का रुख करने लगे तो यह हमारे लिए और भी गंभीर स्थिति होगी। क्योंकि एक तरफ तो भारत अपनी ही प्रतिभा से वंचित रह जाएगा और दूसरी ओर चीन हमारी ही ताकत का उपयोग करके आगे निकलने की कोशिश करेगा। ऐसे समय में हमें गहरा आत्म चिंतन की जरूरत है। इस समय यह बड़ा सवाल है कि क्या हमारे युवा विदेशों में ही अपनी क्षमता साबित करेंगे या फिर देश में रहकर भारत को नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगे? इसका उत्तर देश की नीतियों और कार्यप्रणालियों पर निर्भर करता है।

वर्तमान में विश्व की टॉप 100 कार्पोरेट कंपनियों में उच्च पदों पर हमारे युवा हैं, जो उनके कामकाज को पूरे विश्व में फैलाने में सहायक हो रहे हैं। सुंदर पिचई (गूगल), सत्य नडेला (माइक्रोसॉफ्ट), अजय बंगा (विश्व बैंक), अरविंद कृष्णा (आईबीएम) और इंद्रा नूई (पेप्सीको) जैसे दिग्गज भारतीय मूल के लोगों ने पूरी दुनिया में भारत का नाम रोशन किया है। उनकी सफलता यह साबित करती है कि भारतीय मस्तिष्क वैश्विक स्तर पर किसी से कम नहीं है। सवाल यह है कि अगर प्रतिभावान युवाओं को देश में ही जरूरत अवसर और वातावरण मिल जाता तो क्या वे यहीं रहकर भारत को विश्व का नेतृत्व दिला सकते थे? इस सवाल का जवाब निश्चित रूप से हाँ में है।

देश के युवाओं को पिछले सत्तर साल में जो आधारभूत ढांचा, रिसर्च एंड डवलपमेंट की सुविधाएं, वेतन और अन्य सुविधाएं देनी चाहिए थीं, अगर वह दी गई होतीं तो प्रतिभा पलायन की स्थिति न बनती।। हमारा देश तेजी से आगे बढ़ रहा है लेकिन डिजिटल और तकनीकी क्षेत्र में हम अब भी कमजोर हैं। और तो और, हमारे पास अपना भरोसेमंद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म नहीं है। हम ई-मेल सेवा जैसी बुनियादी सुविधा के लिए भी विदेशी कंपनियों पर निर्भर हैं। हमें कम्प्यूटर, मोबाइल फोन और चिप तकनीक में आत्म निर्भरता हासिल नहीं हुई है।आज भी हम रक्षा हथियारों व रक्षा उपकरणों, यात्री विमानों, लड़ाकू विमानों आदि के लिए दूसरों पर निर्भर हैं। कम्प्यूटर व डिजिटली टेक्नोलॉजी, उच्च शिक्ष, डेटा प्रबंधन, अकाउंटिंग एवं फायनेंस मैनेजमेंट, ऑडिट एवं कन्सलटेंसी, रिसर्च टेक्नोलॉजी आदि पर हम विश्व टॉप संस्थानों पर पूर्णतया निर्भर हैं। हमें इस स्थिति को तीव्रगति से बदलना होगा। अन्यथा, हम विकसित भारत के लक्ष्य को पूरा करने में सक्षम नहीं होंगे।

अपार युवा प्रतिभा मौजूद होने के बावजूद यह स्थिति चिंताजनक है। अगर हमारे युवाओं को आवश्यक संसाधन, शोध की सुविधाएं और आर्थिक सहयोग दिया जाए तो वे देश को तकनीकी रूप से आत्मनिर्भर बना सकते हैं। इस मामले में सरकार और समाज की भूमिका महत्वपूर्ण है। प्रतिभा पलायन रोकने के लिए सिर्फ सरकार पर निर्भर रहना पर्याप्त नहीं है। सरकार को प्रतिभाशाली युवाओं को चिन्हित कर उनकी जरूरतों के अनुसार शोध, स्टार्टअप और रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने चाहिए। औद्योगिक समूह रिसर्च और इनोवेशन में निवेश करें जिससे युवाओं को विश्व स्तरीय मंच मिले। कॉर्पोरेट सेक्टर को देश के भीतर ही आकर्षक वेतन और कार्य संस्कृति प्रदान करने का दायित्व उठाना चाहिए।

आज समय ने करवट ली है। प्रकृति भारत को परम वैभव पर देखना चाहती है। इसलिए भारत के सामने अनेक चुनौतियां आ रही हैं। अब समय इन चुनौतियों को अवसर में बदलने का है। कुल मिलाकर, अमेरिकी कदम भारत के लिए सकारात्मक है। इससे हमें ऐसे कदम उठाने की प्रेरणा लेनी चाहिए कि हम अपनी प्रतिभा को यहीं रोकें और उन्हें ऐसे अवसर दें जिससे वे विदेश जाने की बजाय देश में ही काम करें।

अगर हम अपने युवाओं को यहीं अवसर देंगे तो देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। तकनीकी और डिजिटल क्षेत्र में आत्मनिर्भरता संभव होगी। मेड इन इंडिया का सपना साकार होगा। अगर सरकार, उद्योग जगत और समाज इस दिशा में मिलकर काम करें तो भारत अपनी प्रतिभा के बल पर न केवल आत्म निर्भर बन सकता है बल्कि दुनिया को नई दिशा भी दे सकता है। तेजी से बदलते विश्व परिदृश्य में हमारे 145 करोड़ नागरिकों वाले देश का हर क्षेत्र में आत्मनिर्भर होना अपरिहार्य है।

नजरिया

बढ़ते प्रदूषण और प्रकृति से खिलवाड़ के कारण ग्रीनहाउस प्रभाव, जलवायु परिवर्तन, शहरीकरण इत्यादि के कारण हमारे भोजन, पानी और वायु की गुणवत्ता पर सीधा प्रभाव पड़ता है, जिसके कारण लोगों को सांस लेने में तकलीफ, त्वचा संबंधी रोग सहित कई तरह की गंभीर बीमारियां भी हो रही हैं। पर्यावरण का स्वास्थ्य खराब होने से हमारा स्वास्थ्य भी खराब हो रहा है, जिसका सीधा असर हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता पर पड़ता है।

जितना स्वस्थ होगा पर्यावरण, उतना बेहतर होगा स्वास्थ्य

योगेश कुमार गोयल

मोबाइल : 9416740584.

हमारा पर्यावरण जितना स्वस्थ होगा, हमारा स्वास्थ्य भी उतना ही अच्छा होगा। इसका सीधा सा अर्थ है कि हम अपने स्वास्थ्य के लिए काफी हद तक पर्यावरण के प्रति उत्तरदायी हैं और इसलिए पर्यावरणीय स्वास्थ्य की सुरक्षा सुनिश्चित करना हमारी प्रमुख जिम्मेदारी है। दरअसल पर्यावरणीय स्वास्थ्य का मानव स्वास्थ्य से बहुत गहरा संबंध है। उत्तम स्वास्थ्य के साथ प्रकृति और पर्यावरण हमें भोजन, कपड़े इत्यादि जीवित रहने के लिए भी हर चीज प्रदान करते हैं, इसलिए न केवल स्वस्थ रहने के लिए बल्कि धरती पर जीवन का अस्तित्व बचाए रखने के लिए प्रकृति और पर्यावरण का ध्यान रखा जाना बेहद जरूरी है लेकिन गहन चिंता का विषय यही है कि अब प्रकृति के साथ मानव जाति द्वारा किए जा रहे खिलवाड़ के कारण ही वैश्विक पर्यावरण को गंभीर नुकसान हो रहा है, जिसका खामियाजा अब दुनिया के लगभग तमाम देश भुगत भी रहे हैं। विकास के नाम पर प्रकृति के साथ किए जा रहे भयानक खिलवाड़ के ही कारण धरती लगातार गर्म हो रही है। चक्रवाती तूफानों का बढ़ता सिलसिला, बाढ़, सूखा, जंगलों में लगने वाली भीषण आग तथा अन्य प्राकृतिक आपदाओं में तेजी, ये सब पर्यावरण का स्वास्थ्य बिगड़ने के कारण जलवायु में हो रहे बदलावों का ही परिणाम हैं। वैश्विक तापमान में निरंतर हो रही बढ़ोतरी तथा मौसम का बिगड़ता मिजाज समस्त मानव जाति के लिए गंभीर चिंता बनता जा रहा है। भारत के ही संदर्भ में देखें तो अब सर्दियां कम हो रही हैं और गर्म दिन बढ़ रहे हैं, बारिश के मौसम में भी कहीं सूखे जैसी स्थिति बनी रहती है तो कहीं चारों तरफ तबाही ही तबाही नजर आती है। इस वर्ष भी हिमाचल, उत्तराखण्ड, जम्मू कश्मीर, पंजाब, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश से लेकर देश के अनेक हिस्सों में जल तबाही का भयानक नजारा देखा जाता रहा है।

पर्यावरण को हो रहे गंभीर नुकसान की ओर लोगों का ध्यान आकर्षित करने, पर्यावरण की स्थिति के बारे में सार्वजनिक जागरूकता बढ़ाने तथा लोगों को इसे और बदतर होने से रोकने के लिए आवश्यक कदम उठाने के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 26 सितम्बर को एक विशेष थीम के साथ 'विश्व पर्यावरण स्वास्थ्य दिवस' मनाया जाता है। 2025 के विश्व पर्यावरण स्वास्थ्य दिवस का विषय है 'स्वच्छ वायु, स्वस्थ लोग', जो स्वच्छ वायु और अच्छे स्वास्थ्य के बीच सीधे संबंध पर जोर देता है। प्रदूषकों से मुक्त वायु श्वसन संबंधी बीमारियों को सीमित करने और लोगों के स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। 2024 में यह दिवस 'पर्यावरणीय स्वास्थ्य : आपदा जोखिम न्यूनीकरण और जलवायु परिवर्तन शमन तथा अनुकूलन के माध्यम से लचीले समुदायों का निर्माण' थीम के साथ मनाया गया था जबकि 2023 की थीम थी 'वैश्विक पर्यावरणीय सार्वजनिक स्वास्थ्य : हर दिन हर किसी के स्वास्थ्य की रक्षा के लिए खड़ा होना' थीम के साथ मनाया गया था और 2022 की थीम थी 'सतत विकास लक्ष्यों के कार्यान्वयन के लिए पर्यावरणीय स्वास्थ्य प्रणालियों को मजबूत करना', जिसका अर्थ था पर्यावरणीय स्वास्थ्य तंत्र को इस प्रकार मजबूत बनाया जाए ताकि लंबे समय तक पर्यावरण और मानव की लंबी उम्र तथा अच्छी सेहत के लक्ष्य को पूरा किया जा सके। इस दिन पर्यावरण के कारण मनुष्यों के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले हानिकारक प्रभावों के बारे में जागरूकता फैलाई जाती है। प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन और ग्लोबल वार्मिंग से उत्पन्न खतरों के बारे में जागरूकता बढ़ाना अब पहले के मुकाबले ज्यादा महत्वपूर्ण हो गया है। दरअसल पर्यावरणीय परिस्थितियों को बिगड़ने से रोकने के लिए कुछ भी नहीं करके हम न केवल पर्यावरण को बल्कि स्वयं को भी खतरे में डाल रहे हैं क्योंकि हमारा स्वास्थ्य हमारे पर्यावरण से जुड़ा है और पर्यावरण को हो रहे निरंतर नुकसान से मानव जीवन को भी नुकसान झेलना पड़ता है।

बढ़ते प्रदूषण और प्रकृति से खिलवाड़ के कारण ग्रीनहाउस प्रभाव, जलवायु परिवर्तन, शहरीकरण इत्यादि के कारण हमारे भोजन, पानी और वायु की गुणवत्ता पर सीधा प्रभाव पड़ता है, जिसके कारण लोगों को सांस लेने में तकलीफ, त्वचा संबंधी रोग सहित कई तरह की गंभीर बीमारियां भी हो रही हैं। पर्यावरण का स्वास्थ्य खराब होने से हमारा स्वास्थ्य भी खराब हो रहा है, जिसका सीधा असर हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता पर पड़ता है।

ऐसी ही समस्याओं के मद्देनजर लोगों में पर्यावरणीय स्वास्थ्य को लेकर जागरूकता बढ़ाने के लिए 'इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ एनवायरनमेंटल हैल्थ' (आईएफईएच) द्वारा 26 सितम्बर 2011 को विश्व पर्यावरण स्वास्थ्य दिवस की शुरूआत की गई थी। इसकी शुरुआत 2011 में डेनपास, बाली (इंडोनेशिया) में हुए पर्यावरण स्वास्थ्य शिखर सम्मलेन और आईएफईएच की बैठक के दौरान हुई थी और इस दिन को दुनियाभर में चिन्हित करने का मुख्य उद्देश्य लोगों की भलाई और स्वास्थ्य की तरफ उनका ध्यान आकर्षित करना था। आईएफईएच वैज्ञानिक और तकनीकी अनुसंधान के आदान-प्रदान पर केन्द्रित है और इसका बड़ा हिस्सा वैज्ञानिक एवं तकनीकी के लिए कार्य करता है। पूर्ण रूप से पर्यावरण और स्वास्थ्य कार्यों को लेकर समर्पित आईएफईएच पर्यावरण स्वास्थ्य विज्ञान और प्रशासन से संबंधित विषयों पर चर्चा करता है और पर्यावरणीय स्वास्थ्य पर सूचना का आदान-प्रदान करता है। पर्यावरण सुरक्षा कार्यबल के समर्थन के साथ आईएफईएच स्वास्थ्य और हरित पुनर्प्राप्ति में सहयोग करता है। यह उन राष्ट्रीय संस्थानों के लिए एक महासंघ है, जो पर्यावरण स्वास्थ्य से संबंधित मुद्दों पर कार्य करते हैं। 2018 में इस फेडरेशन ने 40 देशों को पूर्ण सदस्यों के तौर पर जगह दी थी। आईएफईएच के अध्यक्ष सुजान पैक्सो के अनुसार दुनिया को यह समझने की आवश्यकता है कि पर्यावरण, स्वास्थ्य और अर्थव्यवस्था के बीच एक गहन संबंध है।

बहरहाल, यह समझना बहुत जरूरी है कि आखिर पर्यावरण स्वास्थ्य है क्या? किसी क्षेत्र विशेष के रासायनिक, भौतिक और सांस्कृतिक वातावरण को उसके पर्यावरणीय स्वास्थ्य के रूप में जाना जाता है और किसी क्षेत्र का पर्यावरणीय स्वास्थ्य वहां की वायु की खराब गुणवत्ता, पर्यावरण में विविधता का नुकसान, रासायनिक असमानताएं तथा ऐसे सभी कारक, जो किसी क्षेत्र के पर्यावरणीय स्वास्थ्य को बिगाड़ते हैं, से प्रभावित होता है। किसी क्षेत्र के पर्यावरणीय स्वास्थ्य को मापने में पर्यावरणीय स्वास्थ्य संकेतक, प्रदूषण का स्तर, पारिस्थितिकी में विविधता, स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता, स्वच्छता की शर्तें, कृषि उत्पादकता इत्यादि प्रमुख भूमिका निभाते हैं। पर्यावरणीय स्वास्थ्य की देखभाल के महत्व को दर्शाता विश्व पर्यावरण स्वास्थ्य दिवस वास्तव में न केवल पारिस्थितिक स्वास्थ्य की सुरक्षा की वकालत करता है बल्कि मानव स्वास्थ्य पर पर्यावरणीय स्वास्थ्य के पड़ने वाले प्रभाव और संबंध को समझने की जरूरत पर भी जोर देता है।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

प्रधानमंत्री मोदी के लिए उम्र महज एक संख्या है : फडणवीस

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बृहस्पतिवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए उम्र महज एक संख्या है और उन्हें तब तक देश का नेतृत्व करते रहना चाहिए जब तक उनमें क्षमता है।

फडणवीस ने 'इंडिया टुडे कॉन्क्लेव' में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि वह ''युवाओं और जेन-जेड के लिए अप्रासंगिक'' हैं। उन्होंने कहा कि जो लोग सोचते हैं कि नेपाल में जो हुआ वह यहां होगा, उन्हें पड़ोसी देश चले जाना चाहिए।

'जेन जेड' पीढ़ी से तात्पर्य 1997 से 2012 के बीच पैदा हुए युवाओं से है।

प्रधानमंत्री मोदी 17 सितंबर को 75 साल के हो गए। वह जवाहरलाल नेहरू और इंदिरा गांधी के बाद भारत के तीसरे सबसे लंबे समय तक पद पर रहने वाले प्रधानमंत्री हैं और सबसे लंबे सतत कार्यकाल के मामले में दूसरे स्थान पर हैं।

मोदी को एक दूरदर्शी और कुशल नेता बताते हुए फडणवीस ने कहा, ''उनकी शारीरिक और मानसिक क्षमता को देखते हुए उम्र उनके लिए सिर्फ एक संख्या है। उम्र कब मायने रखती है – जब आपकी शारीरिक और मानसिक क्षमताएं कम हो जाती हैं... लेकिन प्रधानमंत्री मोदी के साथ ऐसा नहीं है। उन्हें तब तक हमारा नेतृत्व करते रहना चाहिए जब तक उनमें क्षमता है।''

अपने बारे में बात करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि ब्राह्मण होना उनकी राजनीतिक राह में कोई बाधा नहीं है और उनका भविष्य भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) तय करेगी। उन्होंने कहा, ''पूरा महाराष्ट्र मेरी जाति को जानता है और उन्होंने मुझे स्वीकार कर लिया है। 2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मुझे राज्य की बागडोर सौंपी और उसके बाद के तीन चुनावों में, मेरे नेतृत्व में भाजपा ने 100 से अधिक सीटें जीती हैं। इसलिए राजनीति में नकारात्मक माने जाने वाला जाति का मुद्दा सुलझ गया है।''

यह पूछे जाने पर कि क्या वह राष्ट्रीय स्तर पर कोई भूमिका निभाएंगे, फडणवीस ने कहा कि वह पांच साल के मौजूदा कार्यकाल तक राज्य का नेतृत्व करते रहेंगे, जिसके बाद पार्टी उनके भविष्य के बारे में फैसला करेगी।

समाचार पत्रों में हाल में आए ''देवाभाऊ'' विज्ञापनों के बारे में एक सवाल पर उन्होंने कहा कि भाजपा ने इसे यह दिखाने के लिए प्रकाशित किया कि राज्य छत्रपति शिवाजी महाराज के आदर्शों के अनुसार काम कर रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वह चुनौतियों से भागते नहीं हैं और उनका डटकर मुकाबला करते हैं। उन्होंने कहा, ''अगर कुछ दिन पहले मराठा आरक्षण मुद्दा एक चुनौती थी, तो अब यह भारी बारिश और बाढ़ है। यह शासन और लोकतंत्र की सुंदरता है। राजनीति में कोई भी मुद्दा स्थायी नहीं होता है।''

'जेन-जेड' पर राहुल गांधी के 'एक्स' पर डाली गयी पोस्ट पर एक सवाल का जवाब देते हुए फडणवीस ने कहा कि कांग्रेस नेता युवाओं और जेन जेड के लिए अप्रासंगिक हैं।

घर पर लगाने के लिए बस एक अच्छी तस्वीर चाहता था: राष्ट्रीय पुरस्कार जीतने पर विक्रांत मैसी

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित होने से कुछ पल पहले विक्रांत मैसी के दिमाग में यही विचार चल रहा था कि पुरस्कार पाते समय राष्ट्रपति के साथ सिर्फ 20 सेकेंड कैसे होंगे। उनका ध्यान प्रोटोकॉल का पालन करने और अपने घर में लगाने के लिए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के साथ एक अच्छी तस्वीर खिंचवाने पर केंद्रित था।

मंगलवार को 71वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह में मैसी को विधु विनोद चोपड़ा की फिल्म 12वीं फेल में उनके अभिनय के लिए सम्मानित किया गया, जिसने सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म का पुरस्कार भी जीता।मैसी (38) के लिए यह एक अद्भुत क्षण था, जिसे वह अभी तक समझ नहीं पाए हैं। अभिनेता ने 'पीटीआई-भाषा' को दिए एक साक्षात्कार में कहा, मुझे लगता है कि इन अद्भुत पलों की खुशी को समेटने में मुझे कुछ दिन लगेंगे... मैं बस अपने स्थान पर बैठकर जो कुछ हुआ है, उस पर विचार करूंगा। लेकिन यह एक शानदार एहसास है। सिर्फ मैं ही नहीं, मेरा परिवार और शुभचिंतक, सभी बहुत खुश हैं। उन्होंने आगे कहा, मेरे दिमाग में बस यही चल रहा था कि मैं प्रोटोकॉल का पालन करूं क्योंकि आप देश के राष्ट्रपति के साथ खड़े होंगे। आपको 20 सेकंड से अधिक का समय नहीं मिलता।

इसलिए मेरा ध्यान इन्हीं बातों पर था और मैं बस घर में लगाने के लिए एक अच्छी तस्वीर चाहता था। मैसी को यह पुरस्कार सुपरस्टार शाहरुख खान के साथ मिला। खान को उनकी ब्लॉकबस्टर फिल्म जवान के लिए पुरस्कृत किया गया। शाहरुख के अलावा मैसी, रानी मुखर्जी और मलयालम सुपरस्टार मोहनलाल के साथ बातचीत करते देखे गए। उन्होंने कहा, शाहरुख खान जैसे व्यक्ति के साथ सम्मानित होना बहुत अच्छा लग रहा है... उन्होंने बहुत से लोगों को प्रेरित किया है। इसलिए उनके साथ, रानी मुखर्जी मैम, मोहनलाल सर और ऐसी अद्भुत प्रतिभाओं के साथ मंच साझा करना – क्षेत्रीय सिनेमा से लेकर देश के कोने-कोने से आए सभी लोगों के साथ – मेरे कहने का मतलब है कि जब आप ऐसे महान लोगों के साथ बैठते हैं तो अच्छा लगता है।

पटना में गुरुवार को नवरात्रि उत्सव के अवसर पर मगध महिला कॉलेज की छात्राएँ डांडिया नृत्य करती हुईं।

फ्रांस के पूर्व राष्ट्रपति सरकोजी को अपील करने पर भी जेल जाना पड़ेगा: पेरिस की अदालत

पेरिस, 25 सितंबर (एपी) पेरिस की एक अदालत ने फ्रांस के पूर्व राष्ट्रपति निकोलस सरकोजी को पांच वर्ष के कारावास की सजा सुनाई है और कहा कि यदि वह अपील भी करते हैं तो भी उन्हें जेल में रहना पड़ेगा।

सरकोजी पर 2007 के राष्ट्रपति चुनाव अभियान के लिए तत्कालीन लीबियाई नेता मुअम्मर गद्दाफी की सरकार से कथित तौर पर अवैध धन जुटाने का आरोप था।

लीबिया की सरकार से कथित अवैध चुनावी वित्तपोषण मामले में सरकोजी के खिलाफ मुकदमा चल रहा है, जिसमें उनके दोषी पाए जाने के बाद अदालत ने बृहस्पतिवार को यह कहा।

अदालत ने कहा कि उनकी कैद की तारीख बाद में तय की जाएगी ताकि 70 वर्षीय सरकोजी को पुलिस अधिकारियों द्वारा अदालत कक्ष से बाहर ले जाकर सीधे जेल भेजने के अपमान से बचाया जा सके।

अदालत ने सरकोजी को 2005 से 2007 तक लीबिया से राजनयिक लाभा पहुंचने के बदले अपने चुनाव अभियान के लिए धन जुटाने की साजिश में साथ देने का दोषी पाया।

अदालत ने उन्हें तीन अन्य आरोपों से मुक्त कर दिया, जिनमें भ्रष्टाचार, अवैध चुनाव अभियान वित्तपोषण और सार्वजनिक धन के गबन को छिपाना शामिल है।

उद्घाटन

–बॉलीवुड अभिनेत्री ईशा गुप्ता गुरुवार को नई दिल्ली के भारत मंडपम में तिवान एक्सपो इंडिया 2025 के उद्घाटन के दौरान।

लता मंगेशकर की जयंती पर '120 बहादुर' का खास टीजर होगा रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

एक्सेल एंटरटेनमेंट और ट्रिगर हैप्पी स्टूडियोज की आने वाली फिल्म 120 बहादुर का खास टीजर लता मंगेशकर की जयंती 28 सितंबर के अवसर पर रिलीज होगा। फिल्म 120 बहादुर का पहला टीज़र सोशल मीडिया और ट्रेड सर्किल में आते ही दिलों को जीत रहा है। इसका ग्रैंड स्केल, इंटेंसिटी और इमोशनल गहराई सभी को पसंद आ रही है। ऐसे में इतना जबरदस्त रिस्पॉन्स के बाद अब मेकर्स दूसरा टीज़र लाने के लिए तैयार हैं, जो कि लता मंगेशकर की जयंती 28 सितंबर पर रिलीज किया जायेगा।इस दिन का खास महत्व है, क्योंकि इसे लता मंगेशकर की याद में चुना गया है। वह अपनी देशभक्ति के गानों के लिए जानी जाती हैं, खासकर ऐ मेरे वतन के लोगों के लिए। यह गीत कवि प्रदीप ने लिखा, सी. रामचंद्र ने संगीत दिया और लता मंगेश्कर ने गाया। यह गीत 1962 के भारतचीन युद्ध में सैनिकों की बलिदानी को याद करता है और आज भी इसे त्याग और वीरता का प्रतीक माना जाता है। इस गाने पर पहली बार लता मंगेशकर ने 26 जनवरी 1963 को गणतंत्र दिवस के मौके पर परफॉर्म किया था, जिसने पूरे देश को भावनाओं की गहराई में डूबो दिया। टीज़र 2 ऑफ़ 120 बहादुर भाईचारे, देशभक्ति और चार्ली कंपनी के 120 जवानों की बहादुरी को सच्ची श्रद्धांजलि है। इसमें उनकी निडरता और जज़्बे की एक झलक देखने को मिलेगी। फरहान अख्तर ने कहा, लता मंगेश्कर की जयंती के दिन '120 बहादुर' का टीज़र 2 पेश करना बेहद खास है। यह गीत 1962 के भारत-चीन युद्ध के बहादुर सैनिकों और शहीदों के लिए लिखा गया था और लता जी ने इसे लाइव गाया था। जिसकी रिकॉर्डिंग आज भी पूरे देश की आत्मा को छू लेती है। ऐसे में हमारी फिल्म का संदेश कवि प्रदीप जी के दिल छू लेने वाले शब्दों से पूरी तरह मेल खाता है। रज़नीश 'रेज़ी' घई द्वारा निर्देशित और रितेश सिधवानी, फरहान अख्तर (एक्सेल एंटरटेनमेंट) और अमित चंद्रा (ट्रिगर हैप्पी स्टूडियोज़) द्वारा निर्मित, फिल्म 120 बहादुर 21 नवंबर 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

तमिल सीरीज 'द गेम: यू नेवर प्ले अलोन' का ट्रेलर जारी

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री श्रद्धा श्रीनाथ की अपकमिंग थ्रिलर वेब सीरीज 'द गेम: यू नेवर प्ले अलोन' रिलीज होने के लिए तैयार है। इसका ट्रेलर मेकर्स ने गुरुवार को जारी कर दिया। यह नेटफ्लिक्स की पहली तमिल सीरीज है। ट्रेलर में दिखाया गया है कि कैसे एक गेम में लिया गया हर फैसला असल जिंदगी में गंभीर परिणाम ला सकता है। यह कहानी दर्शकों को सोचने पर मजबूर करेगी जब आपका बनाया हुआ खेल ही आपके खिलाफ हो जाए, तो क्या होगा? अप्लॉज एंटरटेनमेंट के साथ मिलकर बनी इस सीरीज को राजेश एम. सेल्वा ने निर्देशित किया है। उन्होंने सीरीज को लेकर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा, 'द गेम' के जरिए मैं उन चीजों को पर्दे पर सबके सामने लाना चाहता था, जो हमारी बनाई दुनिया और असल जिंदगी को अलग करती है। यह एक हाई-वोल्टेज थ्रिलर है, जिसमें पारिवारिक ड्रामा और रिश्तों के बीच उलझनें भी देखने को मिलेंगी। उन्होंने आगे कहा, आज के डिजिटल जमाने में कुछ भी वर्चुअल नहीं रहता है। स्क्रीन पर होने वाली घटनाएं अक्सर असल जिंदगी को प्रभावित करती हैं, और इसके परिणाम हमारे नियंत्रण से बाहर हो सकते हैं। हर मुखौटे के पीछे एक सच्ची कहानी छिपी है, और इस सच्चाई का सामना करना ही कहानी की ताकत है। नेटफ्लिक्स के साथ मेरा पहला तमिल प्रोजेक्ट करना एक शानदार अनुभव रहा।

श्रद्धा श्रीनाथ ने अपनी भूमिका के बारे में बताया, मैं सीरीज में एक इंडिपेंडेंट वूमन और गेमिंग डेवलपर की भूमिका अदा कर रही हूं। यह मेरे लिए रोमांचक और चुनौतीपूर्ण था। इसमें मेरे किरदार द्वारा बनाई गई दुनिया ही उसके खिलाफ हो जाती है और एक डरावनी हकीकत बन जाती है। अभिनेत्री ने सीरीज में निर्देशक के साथ काम करने के अनुभव को अविस्मरणीय बताया। उनका कहना है कि निर्देशक राजेश हर फ्रेम में जादू बिखेरते हैं। उन्होंने नेटफ्लिक्स के साथ प्रोजेक्ट के बारे में कहा, नेटफ्लिक्स के साथ हम इस कहानी को दुनियाभर के दर्शकों तक पहुंचाना चाहते थे, जिसमें डर, तनाव और मानवीय भावनाएं हैं। ट्रेलर उस सवाल को बखूबी दर्शाता है, क्या असली है और क्या इससे निकलने का कोई रास्ता है?

अप्लॉज एंटरटेनमेंट के साथ मिलकर बनी इस सीरीज को राजेश एम. सेल्वा ने निर्देशित किया है, जबकि दीप्ति गोविंदराजन ने इसे लिखा है और सेल्वा व कार्तिक बाला ने सह-लेखन किया है सीरीज में मुख्य भूमिका में श्रद्धा श्रीनाथ हैं, जो अपनी स्ट्रीमिंग डेब्यू कर रही हैं। उनके साथ संतोष प्रताप, चांदनी, स्यामा हरिणी, बाला हसन, सुभाष सेल्वम, विविया संथ, धीरज और हेमा जैसे कलाकार सहायक भूमिकाओं में नजर आएंगे। यह सीरीज न केवल तमिल सिनेमा के प्रशंसकों के लिए, बल्कि दुनियाभर के दर्शकों के लिए एक रोमांचक अनुभव होने का वादा करती है। यह रोमांचक सीरीज 2 अक्टूबर को नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी।

सिडनी में फिल्म 'शोले' अपनी असली एंडिंग के साथ दिखाई जाएगी

मुंबई/एजेन्सी

ब्लॉकबस्टर फिल्म 'शोले' अपनी असली एंडिंग के साथ इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ सिडनी में दिखाई जायेगी। इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ सिडनी ने यह घोषणा की है कि नई बहाल की गई शोले इस अक्टूबर में फेस्टिवल की मुख्य आकर्षक फिल्म होगी। यह फेस्टिवल 09 से 11 अक्टूबर तक चलेगा और तीन दिनों तक भारतीय सिनेमा का जश्न मनाया जाएगा। भारतीय सिनेमा की सबसे आइकॉनिक फिल्मों में से एक शोले को फिल्म हेरिटेज फाउंडेशन और सिप्पी फिल्म्स ने मिलकर 4के क्वालिटी में बहाल किया है। इस प्रक्रिया में कई साल लगे, लंदन से एक दुर्लभ कलर प्रिंट ढूंढना, मुंबई के एक गोदाम से मूल कैमरा निगेटिव्स और खोए हुए सीन को वापस पाना शामिल था। इसका नतीजा है बेहद शानदार विजुअल और ऑडियो क्वालिटी, जिससे फिल्म को उसके मूल 70एमएम फॉर्मेट में फिर से जीवंत किया गया है। सबसे खास बात यह है कि इसमें निर्देशक रमेश सिप्पी द्वारा सोचा गया असली अंत दिखाया जाएगा, जिसमें ठाकुर गब्बर सिंह को मारकर अपने परिवार का बदला लेता है।

नई शोले का वर्ल्ड प्रीमियर इस महीने की शुरुआत में टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में हुआ था और अब यह सिडनी में दिखाई जाएगी। फेस्टिवल डायरेक्टर मीतु भौमिक लैंगे ने कहा, शोले सिर्फ एक फिल्म नहीं है यह भारतीय कहानियों, यादों और लोककथाओं का हिस्सा है। इतने सालों बाद इसके असली अंत को वापस लाना सिर्फ एक अलग सीन जोड़ना नहीं है, बल्कि इसके निर्माता की पूरी दृष्टि को बहाल करना है। शोले के 50 साल पूरे होने के इस मौके पर, हम उस साहस का सम्मान कर रहे हैं जो सिनेमा को चुनौती देने, टिके रहने और अपनी सच्ची रूप में लौटने की ताकत देता है। हमें खुशी है कि अब सिडनी के दर्शक इस फिल्म को उसी तरह देख पाएंगे, जैसे इसे शुरू से देखने का इरादा था।

फिल्म शोले के अलावा, फेस्टिवल में 15 से ज़्यादा चुनिंदा फिल्मों का प्रदर्शन किया जाएगा, जिनमें अलग-अलग भाषाएं, जॉनर और फॉर्मेट शामिल होंगे। साथ ही फिल्ममेकर्स के साथ बातचीत, रेट्रोस्पेक्टिव्स और पैनल डिस्कशन्स भी होंगे, जो भारतीय सिनेमा के इतिहास और उसके भविष्य का जश्न मनाएंगे। इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ सिडनी अपनी इस परंपरा को जारी रखे हुए है। कहानियों के ज़रिए संस्कृतियों को जोड़ना, अतीत को सम्मान देना और नई आवाज़ों को आगे बढ़ाना।

रणदीप हुड्डा और लिन लैशराम नवरात्रि के रंग में रंगे

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेता और निर्देशक रणदीप हुड्डा ने अपनी पत्नी लिन लैशराम के साथ नवरात्रि के अवसर पर सोशल मीडिया पर खूबसूरत तस्वीरें साझा की हैं। तस्वीरों में रणदीप सफेद रंग के कुर्ता-पायजामा पहने सादगी भरे अंदाज में नजर आ रहे हैं। वहीं, लिन ने लाल रंग की साड़ी पहनी है, जिस पर सुनहरी रेखाएं बनी हैं, जो उनकी खूबसूरती पर चार चांद लगा रही है। लुक को और आकर्षक बनाने के लिए लिन ने बालों को खुला छोड़ा है और साइड में गजरा लगाया है। माथे पर छोटी सी बिंदी और हल्का मेकअप उनके पारंपरिक अवतार को और निखार रहा है। तस्वीरों का बैकग्राउंड नारंगी-बीज रंग का है, जो नवरात्रि के उत्सवी माहौल को और जीवंत बनाता है।

तस्वीरों की बात करें तो, पहली तस्वीर में रणदीप अपनी पत्नी लिन को प्यार भरी नजरों से देख रहे हैं, जबकि लिन हल्की मुस्कान के साथ कैमरे की ओर देखते हुए पोज दे रही हैं। दूसरी में रणदीप दूसरी ओर देख रहे हैं, और लिन कैमरे की ओर देखकर पोज दे रही हैं। तीसरी तस्वीर में दोनों एक साथ कैमरे की ओर देखकर मुस्कुराते हुए पोज दे रहे हैं। बाकी तस्वीरों में दोनों ने अलग-अलग अंदाज में पोज दिए हैं।

रणदीप ने इन तस्वीरों के साथ कैप्शन लिखा, रंग, खुशियां और साथ मिलकर मनाना। यही है हमारी नवरात्रि की खुशियां। हैप्पी नवरात्रि। सोशल मीडिया पर फैंस इस जोड़े की तारीफ कर रहे हैं और उनकी तस्वीरों को खूब पसंद कर रहे हैं। बता दें कि रणदीप हुड्डा और लिन लैशराम 29 नवंबर, 2023 को मणिपुर के इंफाल में आयोजित एक खूबसूरत समारोह में शादी के बंधन में बंध गए। इस जोड़े ने करीबी दोस्तों और परिवार की मौजूदगी में मैतेई परंपराओं के अनुसार शादी की थी। उन्होंने अपनी शादी की तस्वीरें सोशल मीडिया पर भी शेयर की थी, जिससे प्रशंसकों को उनके खास दिन की झलक मिली थी।

'गोडे गोडे चा 2' का पहला पोस्टर जारी

मुंबई/एजेन्सी

उत्साह अपने चरम पर है! बहुप्रतीक्षित पंजाबी कॉमेडी-ड्रामा गोडे गोडे चा 2 का पहला पोस्टर आधिकारिक रूप से जारी कर दिया गया है, जो दर्शकों को मनोरंजन, प्रगतिशील हास्य और दिल को छू लेने वाले पारिवारिक रिश्तों का डबल डोज़ देने का वादा करता है। ज़ी स्टूडियो की 'गोडे गोडे चा 2' के नए पोस्टर में शादी-ब्याह की रस्मों पर पुरुषों और महिलाओं के बीच मज़ेदार जंग को दिखाया गया है। पहली फिल्म में जीत दर्ज करने के बाद गाँव की महिलाएँ अब शादी की तैयारियों की कमान संभाल रही हैं, जिससे पुरुष अपनी पारंपरिक भूमिकाएँ वापस पाने के लिए इधर-उधर भागते नज़र आते हैं। सुपरस्टार एमी विर्क और प्रतिभाशाली तानिया की नई जोड़ी इस प्रिय फ्रेंचाइज़ी में ताज़गी और हास्य का अनोखा तड़का लगाती है।

फिल्म और पोस्टर के लॉन्च पर अपनी खुशी जाहिर करते हुए एमी विर्क ने कहा, इस बार फिल्म में महिलाएँ हमें पुरुषों को सचमुच गोल-गोल दौड़ा रही हैं। यह पिछली फिल्म से भी बड़ा कॉमेडी धमाका है। सबसे खास बात यह है कि इस बार भी फिल्म हास्य के साथ एक सामाजिक संदेश लेकर आती है और हम यहाँ हैं, ताकि लोग पुरुषों का पक्ष भी भूल न जाएँ (हँसते हुए)। पॉवर-पैक पंचलाइन और महिलाओं की मजबूत भूमिका के साथ, मैं बेसब्री से कर रहा हूँ कि आप सब इस फिल्म का मज़ा लें और इसके जरूरी संदेश को महसूस करें।

अपना नज़रिया रखते हुए तानिया ने कहा, पहली फिल्म ने इसलिए इतनी गहराई से जुड़ाव बनाया, क्योंकि यह परिवार की कहानी थी और पुराने रीति-रिवाजों के खिलाफ एक हल्का-सा संदेश भी देती थी। इस बार महिलाएँ और अधिक सशक्त हैं, कॉमेडी और धारदार है और समानता का संदेश और भी मज़बूत है। हमें इंतज़ार है कि हर कोई इस पोस्टर से फिल्म की झलक देखे और उत्साह महसूस करे। विजय कुमार अरोड़ा द्वारा निर्देशित और जगदीप सिद्धू द्वारा लिखित 'गोडे गोडे चा 2' को ज़ी स्टूडियो और वीएच एंटरटेनमेंट के सहयोग से 22 अक्टूबर, 2025 को विश्वभर में रिलीज़ किया जाएगा। ज़ी स्टूडियो और वीएच मीडिया के सहयोग से बनी यह फिल्म अब तक का सबसे बड़ा कॉमेडी धमाका साबित होने जा रही है। यह सीक्वल अपनी पिछली फिल्म 'गोडे गोडे चा' (ज़ी स्टूडियो) की विरासत को आगे बढ़ाता है, जो 26 मई, 2023 को रिलीज़ हुई थी और पंजाबी फिल्म इंडस्ट्री की सबसे सफल और चर्चित फिल्मों में से एक बनी। इसने सर्वश्रेष्ठ पंजाबी फीचर फिल्म का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार भी अपने नाम किया।

RNI No. 58061/93. Regn No.: NP/KA/BGS/2050/2018-2020 Posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026.

जैन इंटरनेशनल ट्रेड आर्गेनाइजेशन (जीतो) साउथ लेडीज विंग ने बुधवार को आदर्श कालेज में 'रील स्मार्ट, मास्टर इंस्टाग्राम विद द प्रोज' कार्यशाला का आयोजन किया जिसमें 120 सदस्याएं शामिल हुईं।

संगठन के प्रति पूर्ण निष्ठाशील होकर कार्य करने से ही विकास संभव : साध्वी पुण्ययशा

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । तेरापंथ महिला मंडल आरआर नगर द्वारा साध्वी श्री पुण्ययशा जी की निश्रा में अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल में सहमंत्री के रूप में मधु कटारिया एवं साउथ कर्नाटक कन्या मंडल प्रभारी के रूप में रुचिका पटावरी के चयनित होने पर उनका सम्मान किया।

साध्वी पुण्ययशा जी ने कहा कि आचार्य श्री तुलसी ने महिलाओं को बहुत उच्चाइयों तक जाने का अवसर दिया है। वर्तमान में आचार्यश्री व साध्वी प्रमुखाश्री द्वारा महिला वर्ग के विकास व उड़ान के नए-नए पायदान प्रस्तुत किए जा रहे हैं। मंडल व परिवार के सहयोग द्वारा ही उड़ानें भरी जा सकती हैं। दायित्व मिलना एक बात है और दायित्वपूर्ण कार्य करना अलग बात है।

संगठन के प्रति पूर्ण निष्ठाशील होकर कार्य करने से ही विकास होता है। पद के लिए समय का नियोजन करें। पदलिप्सा से दूर रहकर कार्य करें। संघ व संघपति के प्रति पूर्ण समर्पित रहें। सभा के अध्यक्ष राकेश छाजेड़ एवं महिला मंडल की मंत्री वंदना भंसाली ने शुभकामनाएं दी। महिला मंडल ने नए पदाधिकारियों का सम्मान किया। पूर्व अध्यक्ष सुमन पटावरी ने अधिवेशन में मंडल को प्राप्त पुरस्कार की जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन सहमंत्री आशा लोढ़ा ने किया।

नारी का अस्तित्व परिवार को जोड़कर संस्कार एवं सामंजस्य बनाए रखना है : आचार्यश्री अभयशेखर

स्त्री धन-शक्ति या समर्पण विषयक सेमीनार आयोजित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जीतो नार्थ चैप्टर के अंतर्गत लेडीज विंग द्वारा राष्ट्रीय प्रोजेक्ट श्रमण आरोग्यम के अंतर्गत 'स्त्री धन-शक्ति या समर्पण' विषय पर कुमारापार्क स्थित सुराणा साधना संकुल भवन में सेमीनार आयोजित हुई जिसमें 200 महिलाओं ने भाग लिया। सेमीनार में आचार्य अभयशेखरसूरीश्वरजी ने नारी के स्वभाव को सहजता और सुकोमलता का विशेषण बताते हुए कहा कि स्त्री का असली सौंदर्य उसके सहकार और समर्पण में है। उन्होंने कहा कि नारी का अस्तित्व बेमिसाल है, जो परिवार को जोड़े रखता है और संस्कार एवं सामंजस्य बनाए रखता है। आचार्यश्री ने यह भी कहा कि समर्पण ही वास्तविक शक्ति है और यदि नारी अपने जीवन में 12 व्रतों को अपनाए तो उसका व्यक्तित्व और अधिक सशक्त, पवित्र एवं समाजोपयोगी बन सकता है।

साध्वी संस्कारनिधिश्री जी ने अपने उद्बोधन में नारी की महत्ता को दिशा-ज्ञान से जोड़ते हुए उसे हीरे समान अमूल्य बताया और लेडीज विंग को लविंग पावर और वर्किंग पॉवर की संज्ञा दी। उन्होंने कहा कि नारी ब्यूटी, ड्यूटी और प्योरिटी के आभूषणों से सुसज्जित होकर जीवन को सार्थक बनाती है। साध्वीश्री ने जीतो लेडीज विंग के कार्यों की सराहना करते हुए समाज एवं धर्म संबंधी कार्यों में और अधिक सक्रियता हेतु प्रेरित किया तथा अंताक्षरी प्रश्नोत्तरी से महिलाओं की सहभागिता को और रोचक बना दिया।

कार्यक्रम में अध्यक्ष लक्ष्मी बाफना ने स्वागत करते हुए कहा कि लेडीज विंग में हर महिला को अपनी क्षमताओं को पहचानने और समाजहित में उपयोग करने का अवसर मिलता है। महामंत्री रक्षा छाजेड़ ने मंच संचालन किया। केकेजी जोन संयोजिका पिंकी जैन ने जे-पॉइंट उत्सव की जानकारी दी। कार्यक्रम में अपेक्स श्रमण आरोग्यम संयोजिका सुनीता गांधी सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित थी।

भारत में हिन्दी जैसी एक सशक्त राष्ट्रभाषा की आवश्यकता है : महेन्द्र मुणोत

शेषाद्रिपुरम महाविद्यालय में हिंदी दिवस एवं पुरस्कार वितरण आयोजित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के शेषाद्रिपुरम महाविद्यालय के हिंदी विभाग के 'उत्कर्ष हिंदी संघ' द्वारा आयोजित हिंदी दिवस एवं पुरस्कार वितरण समारोह सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में विजयनगर के मारुति मेडिकल्स के मालिक महेंद्र मुणोत उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता शेषाद्रिपुरम शैक्षिक न्यास के ट्रस्टी डब्ल्यूडी अशोक ने की। हिन्दी विभाग की अध्यक्षा डॉ. सौम्या बीएल ने अतिथियों का परिचय दिया।

इसके बाद महेंद्र मुणोत और शेषाद्रिपुरम की छात्रों द्वारा बनी डॉक्यूमेंट्री 'भारत-3' प्रदर्शित की गई।कार्यक्रम में महाविद्यालय के विद्यार्थियों के बौद्धिक विकास हेतु आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं व अन्य सहयोगियों को मुख्य अतिथि और प्राचार्य के करकमलों से प्रमाण पत्र एवं पुरस्कार वितरित किए गए। अनेक विद्यार्थियों ने हिन्दी भाषा के महत्व एवं शिक्षण उद्देश्यों पर अपने विचार व्यक्त किए।

महेंद्र मुणोत ने अपने अतिथि-भाषण में देश-भाषा, बोली-प्रदेश और संस्कृति एवं परंपरा के बारे में बताया कि हर भाषा का अपना महत्व है, भारत जैसे देश को एक राष्ट्रभाषा की आवश्यकता है और वह इसे पूरा करने की ताकत हिन्दी भाषा मात्र रखती है। उन्होंने दक्षिण भारत प्रांतों में हिंदी को दिए जाने वाले महत्व की प्रशंसा की और कहा कि हिंदी को बढ़ावा देने की जरूरत है, परन्तु क्षेत्रीय भाषा की उपेक्षा नहीं की जानी चाहिए। महाविद्यालय के प्राचार्य मेजर. डॉ आनंदप्पा ए. ने कहा कि बच्चों के सर्वांगीण विकास में भाषा का योगदान अतुलनीय है और छात्रों को पहले अनुशासन में रहने के बारे में सलाह दी।

शेषाद्रिपुरम शैक्षिक न्यास का अध्यक्ष एमएस नटराज ने स्वतंत्र भारत में भाषा की समस्या, त्रिभाषा सूत्र आदि विषयों पर विचार प्रस्तुत किए। इस अवसर पर अनुवादक एवं लेखक डॉ देवराज और डॉ प्रभु उपासे कवि भूपेंद्र भानवत आदि उपस्थित थे। सह प्राध्यापक डॉ. एनएस शास्त्री ने धन्यवाद दिया। अंत में अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित हुए। मंच संचालन कुमारी खुशी चावत और प्रिया सेनी ने किया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ज्वालामालिनी महापूजन : बेंगलूरु के आरटी नगर के मंजुनाथ लेआउट में संजीवनी ज्वालामालिनी मंदिर में गुरु सत्यज्वालाजी के सान्निध्य में चल रही दस दिवसीय ज्वालामालिनी महापूजन व नवरात्रि महोत्सव के उपलक्ष्य में गुणमाला इन्द्रमल, अजय, रितेश पामेचा परिवार द्वारा विशेष पूजा की गई।

अमर महोत्सव में लगाए जाएंगे 75 हजार पौधे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय गुजराती जैन संघ गांधीनगर में चातुर्मास हेतु विराजित डॉ वरुणमुनिजी ने अपने प्रवचन में बताया कि 5 अक्टूबर को गुरु अमर संयम अमृत महामहोत्सव का शुभारंभ 75 हज़ार पौधे लगाने से होगा। इस महोत्सव के उपलक्ष्य में महिलाओं द्वारा विमल बाफना के नेतृत्व में वर्ष 2025-26 तक 75 हज़ार पौधे लगाने का संकल्प लिया गया है। इस अवसर पर विश्व शांति जप महोत्सव और सचित्र जैन आगम विमोचन समारोह भी आयोजित किया जाएगा। महोत्सव में गुरु आत्म जन्म जयंती समारोह, गुरु शुक्ल पावन जन्मोत्सव, गुरु पदम पुण्य रजत जयंती वर्ष, शिवाचार्य चादर पद समर्पण रजत जयंती वर्ष, युवाचार्य महेंद्र जन्मोत्सव, प्रवर्तक सुभद्र हीरक जन्म जयंती, गुरु पंकज षष्ठी पूर्ति वर्ष, गुरु वरुण संयम रजत जयंती आयोजन भी होंगे। यह महोत्सव रूपेश मुनिजी के मार्गदर्शन में होगा। इसके अतिरिक्त जरूरतमंद लोगों को 7500 किलो मिठाई और 7500 कंबल भी वितरित किए जाएंगे तथा गुरु अमर धार्मिक चित्रकला, पोस्टर प्रतियोगिता का भी आयोजन होगा। वर्धमान स्थानकवासी गुजराती जैन सकल संघ के सदस्य इस महोत्सव की व्यवस्था में जुटा हुआ है।

नम्रता से व्यक्ति की पहचान होती है : उपप्रवर्तक नरेशमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के मागडी रोड़ स्थित गुरु ज्येष्ठ पुष्कर दरबार में उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए उपप्रवर्तक नरेशमुनिजी ने भगवान महावीर की अंतिम देशना श्री उत्तराधययन सूत्र के चौथे अध्ययन पर विवेचना करते हुए कहा कि नम्रता से व्यक्ति की पहचान होती है। हम जिनवाणी के आधार पर अपने जीवन को सरल, नम्र, स्वच्छ, सफल और यशस्वी बनाए। पापों से बचें मन, वचन कर्म से, आचरण से स्वयं को सच्चा धार्मिक, सच्चा भक्त, सच्चा गुरु सेवक बनाते हुए अपने जीवन में धर्म साधना आराधना को सर्वोपरि स्थान देना चाहिए। यदि आप सच्चे अर्थों में भगवान महावीर के अनुयायी है तो अपने जीवन में नैतिक, करुणा संपन्न, विनम्र बनकर सदाचार युक्त संयमित जीवन जीना चाहिए। आज के काम को कल पर नहीं टालना चाहिए क्योंकि काल का कोई भरोसा नहीं है। स्वयं तीर्थंकर परमात्मा भी अपने आयुष्य को बढ़ाने में समर्थ नहीं है तो फिर संसार के साधारण इंसान की बात ही क्या है। उन्होंने आगे संसार में सुखी जीवन जीने में सहायक बनने वाले तीन शिक्षा सूत्रों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि पहला सूत्र है निरोगी काया। यदि आप शरीर से स्वस्थ हैं तो आप संसार के हर सामाजिक, पारिवारिक, आध्यात्मिक और पारमार्थिक कार्य आसानी से संपन्न कर सकते हैं। शरीर की शक्ति क्षीण होने पर आप फिर चाह कर भी धर्म की आराधना, सेवा, जप तप साधना,दान सेवा परोपकार आदि के कार्य सुचारू रूप से करने में अपने शरीर से लाचार होने पर स्वयं को असमर्थ महसूस करते हैं। जीवन में सफलता का दूसरा सूत्र है, अपने समय का नियोजन। जो समय का नियोजन कर प्राप्त समय का सदुपयोग अच्छे कार्यों में कर लेता है उसे निश्चित ही प्रत्येक क्षेत्र में सफलता मिलती ही है। समय को व्यर्थ के कामों में बीता दिया तो सब बेकार है। तीसरा सफलता का सूत्र है अच्छे सम्बन्ध। सांसारिक जीवन में परिवार के सभी सदस्यों में मधुर, आत्मीय, सहयोगात्मक सम्बन्ध होने चाहिए। ङ्कप्रारंभ में श्री शालिभद्रमुनिजी ने कहा कि हमारी धर्म पर सच्ची श्रद्धा भक्ति होनी चाहिए।

आज संसार में हमें हर चीज ब्रांडेड चाहिए, कपड़े, गाड़ी, फोन, आभूषण आदि सब अच्छे से अच्छे मूल्यवान, बढ़िया चाहिए लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि आपका धर्म साधना ब्रान्डेड है या नहीं ? अपने जीवन के जौहरी आप स्वयं बनें। शुभ भावों का चिंतन उच्च गति में ले जाता है तो अशुभ का चिंतन,पाप कर्म जीव को नीच गति दुर्गति में ले जाते हैं।

नवरात्रि महोत्सव में उमड़ी भक्तों की भीड़

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। स्थानीय नवदुर्गा पूजा समिति के तत्वावधान में बेगूर रोड स्थित मुनिश्वरा लेआउट में चल रहे नवरात्रि महोत्सव में भक्तों की भीड़ उमड़ रही है। अध्यक्ष चंदन उपाध्याय ने बताया कि सोमवार को कलश यात्रा के बाद घट स्थापना के साथ प्रारंभ नवरात्रि महोत्सव में प्रथम दिन सायंकाल पंडाल में स्थापित मूर्तियों का मुखार्पण किया गया। रोजाना आयोजित गरबा-डांडिया रास में महिलाओं एवं बच्चों ने नृत्य का आनंद ले रहे हैं। माता के दरबार में महिलाओं ने मंगल गीत गाए जा रहे है तथा भजन गायकों ने माता रानी के एक से बढ़कर एक सुमधुर भजनों की प्रस्तुत कर माहौल को भक्तिमय बना बना रहे हैं। पंडित अनिल कुमार मिश्रा के निर्देशन में रोजाना तीन समय आरती की जा रही है। पूजा उत्सव में समिति के संस्थापक सर्वजीत उपाध्याय, अध्यक्ष चंदन उपाध्याय सहित ङ्कसभी पदाधिकारी उपस्थित थे।

आत्म ज्ञान से ही जीवन का उद्धार संभव : संतश्री ज्ञानमुनि

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के यलहंका स्थित सुमतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री ज्ञानमुनिजी ने कहा कि संसार में बहुत से ऐसे लोग होते हैं जो विद्या और ज्ञान नहीं जानते हैं। बहुत सारे लोगों से तपस्या भी नहीं होती है। विद्या से संसार में पेट भरता है। लेकिन ज्ञान अलग है। ज्ञान कहता है कि तन अलग है आत्मा अलग है जिसमें आत्म ज्ञान है उसके जीवन में प्रकाश आ जाता है। जब मनुष्य संसार की चीजों के बारे में जान लेता है तो उसके आत्मा का कल्याण होना शुरू हो जाता है। मनुष्य जब अपनी आत्मा में लीन होता है तो उसको किसी चीज पर मोह,माया नहीं होती है। आत्मा में लीन होना ही संथारा होता है। जिसके पास ज्ञान, धर्म नहीं है वह संसार में भार के रूप हैं। उनको किसी चीज का ज्ञान नहीं होता है। उनको धर्म ध्यान से कोई मतलब नहीं होता है। पहले के समय में लोग धर्म ध्यान के लिए सब कुछ छोड़ देते थे। लोग धर्म को पहले स्थान पर रखते थे। कमाई से पहले धर्म को मान देते थे। धर्म का असली सार विवेक ज्ञान रखना है। सभी के प्रति आपकी भावना अच्छी होनी चाहिए। अध्यक्ष प्रकाशचंद कोठारी ने सभी का स्वागत किया। संचालन महामंत्री मनोहरलाल लुकड़ ने किया।

इंस्टाग्राम अब डिजिटल बिज़नेस कार्ड बन गया है : सुष्मिता सेठिया

जीतो साउथ लेडीज विंग से आयोजित की कार्यशाला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जैन इंटरनेशनल ट्रेड आर्गेनाइजेशन (जीतो) साउथ लेडीज़ विंग ने बुधवार को आदर्श कालेज में 'रील स्मार्ट, मास्टर इंस्टाग्राम विद द प्रोज़' कार्यशाला का आयोजन किया जिसमें 120 सदस्याएं शामिल हुईं। चेयरपर्सन बबीता रायसोनी ने स्वागत भाषण में बताया कि इंस्टाग्राम ने विशेष रूप से महिला उद्यमियों को सशक्त बनाया है, चाहे छोटे स्तर पर हों या बड़े, अब महिलाएँ घर बैठे ही अपना व्यवसाय शुरू कर सकती हैं, उसका विपणन कर सकती हैं और आगे बढ़ा सकती हैं। मुख्य वक्ता के रूप में इन्फ्लुएंसर, ट्रेनर, ब्लॉगर और कंटेंट क्रियेटर सुष्मिता सेठिया ने बताया कि कंटेंट क्रिएशन के जुनून को पेशे में कैसे बदला जा सकता है। अब इंस्टाग्राम विकल्प नहीं, बल्कि हर उद्यमी के लिए जुड़ने, दिखाने और बढ़ने का सबसे सशक्त माध्यम है। उन्होंने सदस्यों को एक स्तर-दर-स्तर रोडमैप समझाया। उन्होंने बिज़नेस अकाउंट बनाना, प्रामाणिक प्रोफ़ाइल तैयार करना और ब्रांड को दर्शाने वाला कंटेंट तैयार करने के तरीके बताए। उन्होंने कहा कि हर दिन कम से कम एक रील, एक स्टोरी और एक फ़ीड पोस्ट ज़रूर करें ताकि आप प्रासंगिक बने रहें। सुष्मिता ने कहा कि इंस्टाग्राम आपका डिजिटल बिज़नेस कार्ड है, यदि आप इसे समझदारी से इस्तेमाल करें तो यह आपके लिए अनगिनत द्वार खोल सकता है।ङ्कसंयोजिका वनीता बच्छावत ने वक्ता का परिचय दिया। वाइस चेयरपर्सन नीलम सांड ने, जे-पॉइंट पर प्रकाश डाला। कार्यशाला में श्रमण आरोग्यम एपेक्स संयोजिका सुनीता गांधी, कोषाध्यक्ष संगीता पारख, निशा कोठारी, संगीता सियाल, नीतू गुलेचा, हेमा सोलंकी और अस्मिता चौहान आदि उपस्थित थीं। कार्यशाला में सभी प्रतिभागियों को उपहार दिए गए। सहमंत्री साक्षी नाहर ने संचालन किया।

तेरापंथ महिला मंडल गांधीनगर को मिला राष्ट्रीय स्तर पर तृतीय स्थान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। गुरुवार को तेरापंथ भवन गाँधीनगर में मुनि डॉ पुलकित कुमार जी के सान्निध्य में अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की नव निर्वाचित सहमंत्री मधु कटारिया एवं राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य रुचिका पटावरी का तेरापंथ महिला मण्डल गांधीनगर द्वारा सम्मान किया गया। इस मौके पर महिला मंडल ने बताया कि गत दिनों अहमदाबाद में आचार्यश्री महाश्रमणजी के सान्निध्य में आयोजित अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के 50वें राष्ट्रीय अधिवेशन 'उर्ध्वारोहण' में तेरापंथ महिला मंडल गांधीनगर को ऋजु डूंगरवाल की अध्यक्षता में वर्ष 2023-25 में आयोजित हुए जनसेवा एवं आध्यात्मिक कार्यों का मूल्यांकन करते हुए महानगरीय स्तर पर तृतीय पुरस्कार प्राप्त हुआ। ज्योति संचेती ने बताया कि इसके अलावा अन्य वर्ग में भी मंडल को अन्य पुरस्कार भी प्राप्त हुए। उस कार्यकाल की अध्यक्षा ऋजु डूंगरवाल ने अपनी टीम को शुभकामनाएं दी।ङ्कङ्कमुनि पुलकित कुमार जी ने कहा कि कार्यकर्ता अहंकार मुक्त हो, सेवा भावना से कार्य करने का प्रयास करें। महिला मंडल सामाजिक सेवा में विशेष अग्रणी रही है। कार्यकर्ताओं का जब मूल्यांकन होता है तभी उत्साह बना रहता है। मंडल की अध्यक्षा लक्ष्मी बोहरा ने नए राष्ट्रीय पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दी। मधु कटारिया ने भी कहा कि गांधीनगर का महिला मंडल ऊर्जावान है। मंत्री विजेता रायसोनी ने चित्त समाधि यात्रा संघ की जानकारी प्रस्तुत करते हुए संचालन किया ।

रुचि और आसक्तिनुसार होता है भाग्य और भविष्य का निर्माण : आचार्य विमलसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गदग। राजस्थान जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक संघ के तत्वावधान में जीरावला पार्श्वनाथ सभागृह में उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए आचार्य विमलसागरसूरीजी ने कहा कि जैसा हम सोचते हैं, करीब-करीब वैसा ही हम बनते चले जाते हैं। कुछ पाने या कुछ बनने के लिए सर्वप्रथम उस दिशा में सोचना पड़ता है। जिसके बारे में हम सोचते नहीं हैं, वहां तक कभी हम पहुंच भी नहीं सकते। आधुनिक मनोविज्ञान का यह सिद्धांत है। ढाई हजार वर्ष पूर्व कर्मविज्ञान की विवेचना करते हुए यह बात भगवान महावीर स्वामी ने बहुत निराले ढंग से समझाई थी। उन्होंने कहा था कि संसार का हर एक प्राणी अपनी रुचि, आसक्ति, वाणी, वर्तन और वृत्तियों के अनुसार अपने भाग्य और भविष्य का निर्माण करता है। जैसा वह जीवन जीता है, वैसा ही वह बनता जाता है। वर्तमान जन्म की रुचि, आसक्ति और मनोवृत्तियां भविष्य के अनेक जन्मों को प्रभावित करती हैं। संस्कार और स्वभाव आसानी से नहीं बदलते। सोचने, खाने-पीने, चलने, बोलने, चिल्लाने, मारने, नाखून लगाने, मुंह से काटने, प्रतिक्रिया व्यक्त करने, बदला लेने आदि के अनेक प्रकार के स्वभाव और संस्कारों में दिखाई देती भिन्नताएं पिछले जन्मों की रुचि, आसक्ति और मनोवृत्तियों का परिणाम ही हैं। ये बतलाती हैं कि इससे पूर्व हम कैसे कैसे जन्मों से होकर यहां आए हैं। ङ्कजैनाचार्य ने आगे कहा कि प्रवचनों का भावपूर्वक श्रवण और शास्त्रों का स्वाध्याय चित्तवृत्तियों के परिवर्तन का आधार बन सकता है। बुरे विचारों और गलत आदतों को कोशिश पूर्वक बदलकर हम अपने भविष्य को उज्ज्वल बना सकते हैं। जैसी-तैसी मनोवृत्तियों को पाल पौषकर जीवन व्यतीत करने का कोई फायदा नहीं है। चाहकर हमें अपने जीवन की हर प्रवृत्ति को सात्विक, शालीन और सुयोग्य बनाना होगा। यह विवेक ही पशु और मनुष्य के बीच की सबसे महत्वपूर्ण भेदरेखा है।

शरीर, सौंदर्य, संपत्ति, सत्ता, सुख-सुविधाएं और भौतिक सफलता से भी अधिक महत्वपूर्ण हमारा आत्महित। अगर अमूल्य मनुष्य जीवन और उसकी अच्छाईयों तबाह कर यह सभी मिलते हैं तो उसका कोई महत्व नहीं है। हर हालत में सुसंस्कार, सदाचार और सद्गुणों का संरक्षण होना चाहिये। तभी मनुष्य होने का सार सिद्ध हो सकता है। जैन संघ के सचिव हरीश शाह ने बताया कि दीक्षार्थी रीया छाजेड़ का जैनाचार्य के सान्निध्य में जैन संघ की ओर से अभिनंदन किया गया।

कश्मीर भारत-पाक का मामला : अमेरिका

न्यूयॉर्क/भाषा। अमेरिकी विदेश विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यहां कहा कि कश्मीर भारत और पाकिस्तान के बीच का सीधा मुद्दा है और अमेरिका की इस मामले में दक्षिण एशिया के दो पड़ोसियों के बीच दखल देने में कोई रुचि नहीं है।विदेश विभाग के वरिष्ठ अधिकारी ने बुधवार को कहा कि यह अमेरिका की दीर्घकालिक नीति है कि कश्मीर भारत और पाकिस्तान के बीच का सीधा मुद्दा है।हालांकि अधिकारी ने कहा कि यदि अमेरिका से किसी मुद्दे पर सहयोग मांगा जाता है तो वह मदद के लिए तैयार है।

अधिकारी ने संवाददाताओं से कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सामने पर्याप्त मसले हैं और हम इसे (कश्मीर मुद्दे को) भारत और पाकिस्तान पर छोड़ रहे हैं। उन्होंने कहा, हमें भारत और पाकिस्तान के बीच दखल देने में कोई रुचि नहीं है।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com